राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (S.C.E.R.T) द्वारा अनुमोदित डी.एल.एड. (बी.टी.सी.) पाठ्यक्रम

(प्रथम वर्ष– 2023–24)

पाठ्यक्रम (Syllabus)

महाविद्यालय एवं पुस्तक विक्रेता पुस्तक खरीदने हेतु सम्पर्क करें–

Lucknow (Head Office):- Rajeev – 9235318524, 8957411424

Account Details	
Account Holder	**Thakur Publication Pvt. Ltd.**
Bank Name	**ICICI**
Account Number	**353105000009**
IFSC CODE	**ICIC0003531**
Branch	**Jankipuram, Lucknow**

THAKUR PUBLICATION PVT. LTD.

H. No.- 645B/187, Abhishekpuram, 60 Feet Road, Jankipuram, Lucknow – 226031
Mob. 9235318591, 9235318595, 9235318522, 9235318524
E-mail: **thakurpulication@gmail.com**

ऑनलाइन पुस्तके खरीदने हेतु सम्पर्क करे– **www.tppl.org,in**
9235318522, 9235318508, 8957411425

Marketing Team :

Lucknow: 9235318525
Hardoi: 8957411414
Sitapur: 8957411413
Barabanki: 8810708525
Meerut: 8957411433, 9457820674
Saharanpur/Bijnor: 8810708507
Ghaziabad/Bulandsahar/Greater Noida: 9454060863
Agra: 8957411431, 8957411430
Mathura: 8957411432
Aligarh: 6388306466
Kanpur: 9235318592
Unnao: 8810705808
Auraiya/Jhansi: 8957411436
Farukkhabad/Kannauj: 7652013377
Shikohabad/Firozabad/Etawah: 8707281923
Mainpuri/Etah: 8810708505
Bareilly: 6394192486
Amroha/Moradabad: 8810708502
Badaun: 8810708501
Azamgarh: 8957411416, 9235318519
Mau: 8840597354
Ayodhya: 7007837112, 8810708512
Sultanpur/Akbarpur: 9026614378
Gorakhpur/Basti: 8957411410
Deoria/kushinagar: 8810708510
Varanasi/Chandauli: 9235318519
Mirzapur: 8810708513
Ghazipur/Ballia: 6388337133
Jaunpur: 8810708514
Allahabad/Kunda: 8887875810, 8957411429
Pratapgharh: 8887875810

मूल्य– `10/

डी.एल.एड (बी.टी.सी.)
पाठ्यक्रम (Syllabus) रूपरेखा

वर्तमान शैक्षिक आवश्यकताओं, अपेक्षाओं, बाल–मनोविज्ञान तथा बच्चों के सीखने–लिखने की प्रक्रिया एवं बालगत मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए प्रारम्भिक शिक्षा के शैक्षिक गुणवत्ता संवर्द्धन हेतु नवीन शिक्षण–विधियों, तकनीकों, शैक्षिक–नवाचारों एवं समसामयिक विषयवस्तु को द्विवर्षीय बी.टी.सी. पाठ्यक्रम में समाविष्ट किया गया है।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

बी.टी.सी. द्विवर्षीय पाठ्यक्रम को चार सेमेस्टर में विभाजित किया गया है। प्रथम वर्ष में दो सेमेस्टर तथा द्वितीय वर्ष में दो सेमेस्टर होंगे। प्रत्येक सेमेस्टर 6 माह (न्यूनतम 120 शैक्षिक दिवस एवं 10 परीक्षा दिवसों) का होगा।

सेमेस्टरवार विषय विभाजन सारिणी– प्रत्येक सेमेस्टर के अन्तर्गत दो सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र व विभिन्न विषयगत प्रश्नपत्र एवं एक माह का इण्टर्नशिप समाहित किया गया है जिनका विवरण निम्नवत् है–

प्रथम सेमेस्टर	द्वितीय सेमेस्टर	तृतीय सेमेस्टर	चतुर्थ सेमेस्टर
सैद्धान्तिक विषय			
बाल विकास एवं सीखने की प्रक्रिया (edu 01)	वर्तमान भारतीय समाज एवं प्रारम्भिक शिक्षा (edu 03)	शैक्षिक मूल्यांकन, क्रियात्मक शोध एवं नवाचार (edu 05)	आरम्भिक स्तर पर भाषा के पाठन/लेखन एवं गणितीय क्षमता का विकास (edu 07)
शिक्षण अधिगम के सिद्धान्त (edu 02)	प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास (edu 04)	समावेशी शिक्षा (edu 06)	शैक्षिक प्रबन्ध एवं प्रशासन (edu 08)
सामान्य विषय			
विज्ञान	विज्ञान	विज्ञान	विज्ञान
गणित	गणित	गणित	गणित
सामाजिक अध्ययन	सामाजिक अध्ययन	सामाजिक अध्ययन	सामाजिक अध्ययन
हिन्दी	हिन्दी	हिन्दी	हिन्दी
संस्कृत/उर्दू	अंग्रेजी	संस्कृत/उर्दू	अंग्रेजी
कम्प्यूटर शिक्षा	समाजोपयोगी उत्पादक कार्य	कम्प्यूटर शिक्षा	शांति शिक्षा एवं सतत् विकास
कला/संगीत/शारीरिक शिक्षा/स्वास्थ्य शिक्षा (सैद्धान्तिक/प्रायोगिक)	कला/संगीत/शारीरिक शिक्षा/ स्वास्थ्य शिक्षा (सैद्धान्तिक/प्रायोगिक)	कला/संगीत/शारीरिक शिक्षा/ स्वास्थ्य शिक्षा (सैद्धान्तिक/प्रायोगिक)	कला/संगीत/शारीरिक शिक्षा/ स्वास्थ्य शिक्षा (सैद्धान्तिक/प्रायोगिक)
इण्टर्नशिप	इण्टर्नशिप	इण्टर्नशिप	इण्टर्नशिप

कला/संगीत/शारीरिक शिक्षा/स्वास्थ्य में से किसी एक विषय का चयन प्रशिक्षु द्वारा प्रत्येक सेमेस्टर में किया जाएगा, जिसका मूल्यांकन विषयाध्यापक द्वारा ही किया जाएगा, इसी प्रकार 3 समाजोपयोगी उत्पादक कार्य (एस.यू.पी.डब्लू.) विषय का भी मूल्यांकन मात्र विषय अध्यापक द्वारा ही किया जाएगा। इन विषयों की लिखित/वाह्य परीक्षा नही होगी।

सेमेस्टर–1

(Edu 01) बाल विकास एवं सीखने की प्रक्रिया

उद्देश्य

- बाल विकास की अवस्थाओं एवं विभिन्न संकल्पनाओं, सिद्धान्तों से परिचित कराना।
- बाल विकास के प्रमुख पहलुओं (शारीरिक, मानसिक एवं संवेगात्मक) तथा उसको प्रभावित करने वाले कारकों की जानकारी प्रदान करना।
- बच्चों की विकासात्मक व व्यवहारगत कठिनाइयों/समस्याओं की पहचान एवं निराकरण करने की तकनीक से अवगत कराना।
- विविध मनोवैज्ञानिक परीक्षणों से परिचित होकर, उनके प्रयोग से बच्चों की क्षमताओं का आंकलन एवं संवर्द्धन करने में सक्षम बनाना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई.सी.टी. के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

बाल विकास एवं सीखने की प्रक्रिया

1) **बाल विकास**

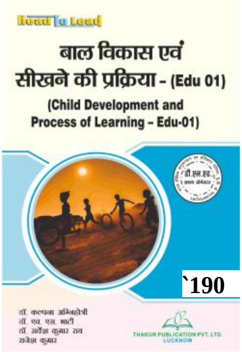

   i) बाल विकास का अर्थ, आवश्यकता तथा क्षेत्र।
   ii) बाल विकास की अवस्थाएं (शैशवास्था, बाल्यावस्था, किशोरावस्था) एवं इनके अन्तर्गत होने वाले विकास–
      a) शारीरिक विकास
      b) मानसिक विकास, बुद्धि, बुद्धिलब्धि (आई.क्यू.), बुद्धि परीक्षण
      c) संवेगात्मक विकास, संज्ञानात्मक विकास (पियाजे का सिद्धान्त)
      d) सामाजिक विकास
      e) भाषा विकास–अभिव्यक्ति क्षमता का विकास
      f) सृजनात्मकता एवं सृजनात्मक क्षमता का विकास
      g) व्यक्तित्व का विकास–अर्थ, प्रकार (अन्तर्मुखी, बहिर्मुखी, उभयमुखी)
      h) व्यक्तित्व परीक्षण के तरीके एवं समायोजन के उपाय
      i) वैयक्तिक भिन्नता–अर्थ, कारक एवं महत्त्व
      j) कल्पना, चिन्तन और तर्क का विकास
   iii) बाल विकास के आधार एवं उनको प्रभावित करने वाले कारक
      a) वंशानुक्रम
      b) वातावरण (पारिवारिक, सामाजिक, विद्यालयी, संचार माध्यम)

2) **अधिगम (सीखना) का अर्थ तथा सिद्धान्त**

   i) अधिगम (सीखना) का अर्थ, अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक–बालक का शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य, परिपक्वता, सीखने की इच्छा, प्रेरणा, विषय सामग्री का स्वरूप, वातावरण, शारीरिक एवं मानसिक थकान ।

ii) अधिगम की प्रभावशाली विधियाँ–करके सीखना, अनुकरण द्वारा सीखना, निरीक्षण करक सीखना परीक्षण करके सीखना सामूहिक विधियों द्वारा सीखना, सम्मेलन व विचार गोष्ठी विधि, प्रोजेक्ट विधि, समूह अधिगम।

iii) अधिगम के नियम–थार्नडाइक के सीखने के मुख्य एवं गौण नियम तथा सीखने–सिखाने में इनका महत्त्व

iv) अधिगम के प्रमुख सिद्धान्त तथा कक्षा शिक्षण में इनकी व्यवहारिक उपयोगिता
   a) थार्नडाइक का प्रयास एवं त्रुटि का सिद्धान्त
   b) पॉवलव का सम्बद्ध प्रतिक्रिया का सिद्धान्त
   c) स्किनर का क्रिया प्रसूत अधिगम सिद्धान्त
   d) कोहलर का सूझ या अन्तर्दृष्टि का सिद्धान्त
   e) पियाजे का सिद्धान्त
   f) वाइगोट्स्की का सिद्धान्त
   g) ब्रूनर का सिद्धान्त
   h) सीखने का वक्र–अर्थ, प्रकार, सिद्धान्त एवं सीखने में पठार– अर्थ और कारण, निराकरण।
   i) सीखने का स्थानान्तरण–अर्थ, प्रकार, सिद्धान्त एवं सीखने– सिखाने में स्थानान्तरण का महत्त्व।

v) **अभिप्रेरण–**अर्थ, प्रकार एवं महत्त्व
   a) **अभिप्रेरण की विधियाँ–**रुचि, सफलता, प्रतिद्वन्दिता, सामूहिक कार्य, प्रशंसा, पुरस्कार, ध्यान,खेल, सामाजिक कार्यक्रम में सहभागिता, कक्षा का वातावरण।
   b) सीखने–सिखाने के सन्दर्भ में तथा विद्यालयीय व्यवस्था के सन्दर्भ में समुदाय के सक्रिय सदस्यो, ग्राम शिक्षा समितियों/विद्यालय प्रबन्ध समिति तथा अन्य प्रकार की विद्यालयीय समितियों के सदस्यों का अभिप्रेरण

vi) **ध्यान–**अर्थ, प्रकार, ध्यान को प्रभावित करने वाले कारक एवं बच्चों का ध्यान केन्द्रित करने के उपाय

vii) **रुचि–**अर्थ, प्रकार तथा बच्चों की रुचि का परीक्षण व उनमें रुचि उत्पन्न करने की विधियाँ अधिगम में रुचि का महत्त्व, ध्यान एवं रुचि का सम्बन्ध

viii) **स्मृति–**अर्थ, प्रकार तथा अच्छी स्मृति के प्रभावी कारक
विस्मरण का अर्थ, कारण एवं महत्त्व

ix) **सांख्यिकी–**अर्थ, महत्त्व एवं आंकड़ों का रेखाचित्र निरूपण
माध्य, माध्यिका एवं बहुलक

प्रयोगात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

प्रशिक्षु शिक्षकों को बाल विकास एवं सीखने की प्रक्रिया के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहत ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video Clip, Audio Clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं–

1) कक्षा–शिक्षण में बच्चों का ध्यान केन्द्रित करने हेतु मानसिक अभ्यास/गतिविधियों का निर्माण।
2) कक्षा में बच्चों की रुचि उत्पन्न करने वाली गतिविधियों का निर्माण।
3) बच्चों की मौलिक व भावात्मक अभिव्यक्ति व भाषा विकास हेतु गतिविधियाँ तैयार कराना। **जैसे–** स्वानुभव व चित्रों के माध्यम से मौखिक अभिव्यक्ति
4) कल्पना एवं चिन्तन के माध्यम से कहानी, कविताओं, चित्रों पहेलियों आदि का निर्माण कराना।
5) तार्किक क्षमता के विकास हेतु अभ्यास कार्यों एवं खेलो का विकास।
6) बच्चों की आयु, वजन, लम्बाई आदि के मध्य अन्तः सम्बन्धों को टेबल/चार्ट के माध्यम से प्रस्तुत कराकर विश्लेषण तथा निरूपण कराना।

7) किसी कक्षा की मासिक परीक्षा के किसी विषय में प्राप्तांको का सांख्यिकीय विश्लेषण तथा निरूपण कराना।
8) बच्चों में विश्लेषण, तर्क, अधिगम एवं कल्पना की क्षमता विकास के लिए आई.सी.टी. पर आधारित मॉडल/गतिविधियाँ तैयार करना।

<u>सन्दर्भित पुस्तक</u>– बाल विकास एवं सीखने की प्रक्रिया; लेखक– डॉ. कल्पना अग्निहोत्री, डॉ. एच. एस. भाटी, डॉ. फखरूद्दीन, श्री राजेश कुमार; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ; मूल्य–**190**/–

(Edu 02) शिक्षण अधिगम के सिद्धान्त

उद्देश्य

- प्रभावी शिक्षण के विकास हेतु शिक्षण सिद्धान्तों एवं शिक्षण प्रविधियों से अवगत कराना।
- शिक्षण अधिगम सामग्री की आवश्यकता, निर्माण, प्रयोग एवं रखरखाव के सम्बन्ध में जानकारी देना।
- शिक्षण की नवीन विधाओं से परिचित कराना तथा प्रशिक्षुओं को नवीन अधिगम विधियों का अनुप्रयोग सिखाना।
- कक्षावार बच्चों को अपेक्षित अधिगम स्तर की सम्प्राप्ति कराने हेतु विभिन्न चरणों की जानकारी देना तथा उनको प्रशिक्षित कराना।
- बच्चों में जीवन कौशल विकसित करने हेतु विद्यालय, समुदाय, अभिभावक एवं समाज की भूमिका से परचित कराना।
- विभिन्न प्रकार की शिक्षण विधाओं के बच्चों पर प्रभाव, का मूल्यांकन करने में प्रशिक्षु को दक्ष करना।
- विभिन्न प्रकार की शिक्षण प्रविधियों से शिक्षक को बच्चों की रुचि उत्पन्न करने का प्रशिक्षण देना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई.सी.टी. के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

पाठ्यक्रम (Syllabus) - शिक्षण अधिगम के सिद्धान्त

शिक्षण का अर्थ तथा उद्देश्य

1) **सम्प्रेषण**
   - i) सम्प्रेषण का अर्थ
   - ii) आवश्यकता एवं महत्त्व
   - iii) सम्प्रेषण के घटक/कारक
   - iv) सम्प्रेषण के प्रकार
   - v) प्रभावी सम्प्रेषण के तरीके

2) **शिक्षण के सिद्धान्त**
   - i) करके सीखने का सिद्धान्त
   - ii) प्रेरणा का सिद्धान्त
   - iii) रुचि का सिद्धान्त
   - iv) निश्चित उद्देश्य का सिद्धान्त
   - v) नियोजन का सिद्धान्त
   - vi) चयन का सिद्धान्त
   - vii) वैयक्तिक भिन्नताओं का सिद्धान्त
   - viii) लोकतन्त्रीय व्यवहार का सिद्धान्त
   - ix) जीवन से सम्बन्ध स्थापित करने का सिद्धान्त
   - x) आवृत्ति का सिद्धान्त
   - xi) निर्माण एवं मनोरंजन का सिद्धान्त
   - xii) विभाजन का सिद्धान्त (लघु सोपानों का)

3) शिक्षण के सूत्र

i) सरल से जटिल की ओर
ii) ज्ञात से अज्ञात की ओर
iii) स्थूल से सूक्ष्म की ओर
iv) पूर्ण से अंश की ओर
v) अनिश्चित से निश्चित की ओर
vi) प्रत्यक्ष से अप्रत्यक्ष की ओर
vii) विशिष्ट से सामान्य की ओर
viii) विश्लेषण से संश्लेषण की ओर
ix) मनोवैज्ञानिक से तर्कसंगत की ओर
x) अनुभव से युक्तियुक्त (तर्कपूर्ण) की ओर
xi) प्रकृति का अनुसरण

4) शिक्षण प्रविधियाँ

i) प्रश्नोत्तर प्रविधि
ii) विवरण प्रविधि
iii) वर्णन प्रविधि
iv) व्याख्यान प्रविधि
v) स्पष्टीकरण प्रविधि
vi) कहानी कथन प्रविधि
vii) निरीक्षण एवं अवलोकन प्रविधि
viii) उदाहरण प्रविधि
ix) खेल/गतिविधि प्रविधि
x) समूह चर्चा प्रविधि
xi) प्रयोगात्मक कार्य प्रविधि
xii) वाद–विवाद प्रविधि
xiii) कार्यशाला प्रविधि
xiv) भ्रमण प्रविधि

5) शिक्षण की नवीन विधाएँ (उपागम)

i) बालकेन्द्रित शिक्षण
ii) क्रिया/गतिविधि आधारित शिक्षण
iii) रुचिपूर्ण/आनन्ददायी शिक्षण
iv) सहभागी शिक्षण
v) दक्षता आधारित शिक्षण
vi) उपचारात्म शिक्षण
vii) बहुकक्षा/बहुस्तरीय शिक्षण
viii)

6) सूक्ष्म शिक्षण एवं शिक्षण के आधारभूत कौशल

i) सूक्ष्म शिक्षण का अर्थ, आवश्यकता एवं महत्त्व एवं प्रकार
ii) शिक्षण कौशल–अर्थ
iii) पाठ प्रस्तावना कौशल
iv) उद्देश्य कथन कौशल
v) प्रश्न कौशल
vi) व्याख्यान कौशल
vii) सोदाहरण स्पष्टीकरण या दृष्टान्त कौशल
viii) छात्र सहभागिता कौशल पुनर्बलन कौशल
ix) श्यामपट्ट लेखन कौशल
x) पुनरावृत्ति कौशल
xi) शिक्षण में एक से अधिक कौशलों एवं गतिविधियों का समावेश।

7) अपेक्षित अधिगम स्तर

i) संकल्पना
ii) अधिगम स्तर की सम्प्राप्ति में अधिगम अनुभवों का संयोजन।
iii) अपेक्षित अधिगम प्रतिफल का अधिगम के पुनर्बलन में महत्त्व।

8) शिक्षण अधिगम सामग्री

i) अर्थ
ii) आवश्यकता एवं महत्त्व
iii) शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रकार/वर्गीकरण
iv) उत्तम शिक्षण अधिगम सामग्री की विशेषताएं

9) शिक्षण अधिगम सामग्री के प्रकार

i) इन्द्रिय जनित अधिगम कराने हेतु विभिन्न पदार्थ/वस्तुएं/क्रियाएं यथा–स्पर्श, सूंघना चखना।

ii) दृश्य सामग्री

a) प्रशिक्षु एवं बच्चों द्वारा निर्मित सामग्री, बाजार से क्रय सामग्री

b) विभाग द्वारा प्रदत्त सामग्री यथा–ऑपरेशन ब्लैकबोर्ड किट, गणित किट, विज्ञान किट, पाठ्यपुस्तकें, प्रशिक्षण साहित्य, अनुपूरक अध्ययन सामग्री, शिक्षक सन्दर्शिका आदि,

c) प्रकृति से प्राप्त वस्तुएँ–जड़े, बीज, सींके, पत्तियाँ, टहनियाँ, बालू, कंकण, पत्थर इत्यादि।

iii) श्रव्य सामग्री–टेन रिकार्डर, आडियों/सी.डी./कैसेट प्लेयर, रेडियो आदि।

iv) दृश्य एवं श्रव्य सामग्री– कम्प्यूटर, टेलीविजन, डी.वी.डी., वीडियों सी.डी.।

10) **उत्तम शिक्षण अधिगम सामग्री की विशेषताएं**

i) बिना लागत के प्राप्त

ii) अल्प लागत

iii) **बहुउद्देश्यीय सामग्री यथा–**एक से अधिक कक्षाओं में प्रयोग, एक से अधिक विषयों में प्रयोग, एक से अधिक पाठों/प्रकरणों में प्रयोग, विषयवार पाठ्यवस्तु के अनुरूप, शैक्षिक उपयोगिता।

iv) बच्चों की रुचि आयु एवं मानसिक स्तर के अनुरूप

v) कक्षा व्यवस्था के अनुरूप सामग्री का आकार–प्रकार।

vi) शिक्षण में आसानी से प्रयोग करने योग्य।

11) शिक्षण अधिगम सामग्री के निर्माण, प्रयोग तथा रखरखाव में सावधानियाँ।

प्रयोगाात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

प्रशिक्षु शिक्षकों को शिक्षण अधिगम के सिद्धान्त के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video Clip, Audio Clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं।

1) कक्षा के बच्चों को छोटे–छोटे समूहों में विभक्त कर गाँव/मुहल्ले के स्कूल जाने वाले तथा न जाने वाले 5 वर्ष से ऊपर के बच्चों की सूचना का एकत्रीकरण एवं अनुपात ज्ञात कर सूची का निर्माण करें।

2) प्रशिक्षु प्रत्येक माह में समस्त छात्रों को अलग–अलग समूहों में विभक्त कर किसी एक विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता कराना।

3) प्रशिक्षु एवं बच्चों द्वारा निर्मित सामग्री के आधार पर एक विज्ञान किट तैयार करना।

4) शिक्षण अधिगम सामग्री यथा–श्रव्य, दृश्य एवं श्रव्य–दृश्य (तीनों प्रकार की सामग्री) सामग्री पर आधारित चार्ट/मॉडल का निर्माण कराना।

5) विभिन्न शिक्षण प्रविधियों पर एक–एक मॉडल/प्रस्तुतीकरण तैयार करना।

6) विभिन्न शिक्षण प्रविधियों का तुलनात्मक अध्ययन (किसी एक विषयवस्तु को देकर करना)।

<u>सन्दर्भित पुस्तक</u>– शिक्षण अधिगम के सिद्धान्त ; लेखक– डॉ. रेखा पाठक, डॉ. एन.पी. राठौर, अमित सक्सेना, ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ; मूल्य–**170**/–

सामान्य विषय

(सेमेस्टर–1) विज्ञान

उद्देश्य

- वैज्ञानिक सोच, क्या, क्यों, कैसे,............. को विकसित करना।
- विज्ञान की विषयवस्तु की समझ विकसित करना।
- प्रशिक्षु को विषयवस्तु परिवेश में उपलब्ध संसाधनों/सामग्रियों के माध्यम से प्रस्तुत करने में प्रशिक्षित करना।

- प्रशिक्षु को दैनिक जीवन की गतिविधियों, घटनाओं के माध्यम से वैज्ञानिक संकल्पनाओं को प्रस्तुत करने में सक्षम बनाना।
- विज्ञान की विषयवस्तु को रुचिकर तरीके से प्रस्तुत करने में प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षु से विषयवस्तु से सम्बन्धित टी.एल.एम./प्रयोग तैयार कराना।
- प्रशिक्षु को विभिन्न एजुकेशनल सॉफ्टवेयर/ गेम/प्रयोगों के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने में प्रशिक्षित करना।
- सूचना एवं संचार प्रौद्यागिकी (आई.सी.टी.) के माध्यम से कठिन संकल्पनाओं को सरल तरीके से प्रस्तुत करने में प्रशिक्षु को प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षु को विज्ञान की विभिन्न विषयवस्तुओं के सतत् मूल्यांकन प्रक्रिया में प्रशिक्षित करना।
- विज्ञान शिक्षण में विभिन्न प्रकरणों की वैज्ञानिक विधियों (पैडागॉजी) को अपनाये जाने का कौशल विकसित करना।

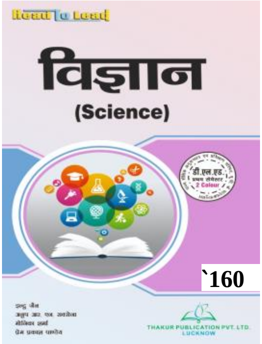

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर सभी प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण, शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए, साथ ही उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, बताया जाए। यथासम्भव आई.सी.टी. के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग विधि सीख सके।

नोट—विज्ञान शिक्षण से सम्बन्धित विषयवस्तु के कक्षा—शिक्षण से पूर्व एवं पश्चात् विभिन्न शिक्षण विधाओं जैसे—प्रयोग विधि, प्रयोग—प्रदर्शन विधि, परिवेशीय भ्रमण विधि, प्रेक्षण विधि, सूक्ष्मावलोकन, वर्गीकरण, विचार—विमर्श, समस्या—समाधान विधि, अन्वेषणात्मक विधि, संग्रह—विधि, समूह—चर्चा विधि एवं प्रश्नोत्तर—विधि पर व्यापक चर्चा की जाए।

1) **सजीव वस्तुएं**—प्राकृतिक और मानव निर्मित वस्तुएं तथा उनका वर्गीकरण, सजीव व निर्जीव वस्तुओं में अन्तर, पौधों और जन्तुओं में अन्तर व समानता। जन्तु व वनस्पतियों में वातावरणीय अनुकूलन।
2) **वनस्पति जगत**—पौधों के विभिन्न भाग एवं उनके कार्य, पौधों एवं जन्तुओं की उपयोगिता, पौधों के विभिन्न भागों का रूपान्तरण एवं उपयोग।
3) **पौधों में प्रजनन व उसके प्रकार**—अलैंगिक व लैंगिक जनन, पुष्प के भाग, परागण, निषेचन बीज तथा बीजों का प्रकीर्णन।
4) **भौतिक मापन**—आवश्यकता एवं विधियां स्टैंडर्ड, एम.के.एस. या एस.आई. पद्धति, मापन में प्रयुक्त उपकरण जैसे— रेनगेज, थर्मामीटर आदि।
5) **गति एवं बल**—गति क्या है, गति के नियम, गति के प्रकार (यथा— रेखीय गति, वृत्तीय गति, घूर्णन गति, दोलन गति) **चाल**—परिभाषा, सूत्र व मात्रक। बल पेशीय, गुरूत्वीय, चुम्बकीय, विद्युतीय तथा घर्षण।
6) **पदार्थ एवं उसकी अवस्थायें**—पदार्थ की अवस्थायें (यथा ठोस, द्रव व गैस) गुण एवं संरचना, पदार्थो का घुलना, मिश्रण के प्रकार व मिश्रण के प्रकार व मिश्रणों का पृथक्करण।
7) **निम्नलिखित बिन्दुओं में से किसी एक पर मॉडल तैयार करना—**
   i) भारत में वर्षा जल संचयन की प्रणाली पर मॉडल (राजस्थान एक केस स्टडी)
   ii) गति के नियमों पर विभिन्न मॉडल
   iii) विद्युत चुम्बकीय बल के अनुप्रयोग (डोर बेल का मॉडल) अथवा कोई अन्य।

प्रयोगाात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

विज्ञान के प्रत्येक पाठ से प्रशिक्षु शिक्षकों को उस पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video Clip, Audio Clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं–

1) मापन की विभिन्न प्रणालियों पर गतिविधि/प्रोजेक्ट/मॉडल/टी.एल.एम. विकसित करें।
2) विभिन्न प्रकार के बल को स्पष्ट करने हेतु गतिविधि/प्रोजेक्ट/मॉडल/टी.एल.एम. विकसित करें।
3) विभिन्न प्रकार की गतियों को स्पष्ट करने हेतु गतिविधि/प्रोजेक्ट/मॉडल/टी.एल.एम. विकसित करें।
4) गति के नियमों को स्पष्ट करने हेतु गतिविधि/प्रोजेक्ट/मॉडल/टी.एल.एम. विकसित करें।
5) पदार्थ की विभिन्न अवस्थाओं को स्पष्ट करने हेतु गतिविधि/प्रोजेक्ट/मॉडल/टी.एल. एम. विकसित करें।
6) निर्जीव एवं सजीव वस्तुओं में अन्तर को स्पष्ट करने हेतु गतिविधि/प्रोजेक्ट/मॉडल/ टी.एल.एम. विकसित करें।
7) पौधों में प्रजनन प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए/चार्ट/मॉडल तैयार करें।
8) तत्व तथा यौगिक–रासायनिक चिन्ह, तत्त्व तथा यौगिक के लिए चार्ट/सामग्री का निर्माण करें।

<u>सन्दर्भित पुस्तक</u>– **विज्ञान**; लेखक– इन्दू जैन, अनूप आर. एन. सक्सेना; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य–**160**/–

(सेमेस्टर–1) गणित

उद्देश्य

- प्रशिक्षु को गणित में प्रयुक्त होने वाले गणितीय शब्दों, गणितीय संक्रियाओं तथा चिह्नों के मध्य सम्बन्धों की समझ विकसित करना।
- गणित की विषयवस्तु की जानकारी एवं उसकी अवधारणा की समझ विकसित करना।
- गणित की विषयवस्तु को परिवेश में उपलब्ध संसाधनों/सामग्रियों/बच्चों की गतिविधियों के माध्यम से प्रस्तुत करने में प्रशिक्षित करना।
- गणित की विषयवस्तु की उपयोगिता और आवश्यकता को रुचिकर तरीके से प्रस्तुत करने में प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षु से विषयवस्तु से सम्बन्धित टी.एल.एम./गतिविधि/कम्प्यूटर गेम/पज़ल तैयार कराना।
- प्रशिक्षु को विभिन्न एजुकेशनल सॉफ्टवेयर/गेम/गतिविधि के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने में प्रशिक्षित करना।
- गणित की विषयवस्तु के शिक्षण में प्रयुक्त गणित सीखने–सिखाने के विज्ञान (Pedagogy) एवं गणित शिक्षण के सैद्धान्तिक पक्ष (Methodology) से परिचित कराना।
- गणित सीखने–सिखाने के क्रम (ELPs) की प्रशिक्षुओं में समझ विकसित करते हुए उसकी उपयोगिता एवं प्रासंगिता स्पष्ट करना।
- गणित शिक्षण में शैक्षिक तकनीक की उपयोगिता स्पष्ट करते हुए उसके उपयोग में दक्ष करना।
- कम्प्यूटर के माध्यम से गणित की क्रियाओं को करने में प्रशिक्षु को प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षु को गणित की विषयवस्तुओं के सतत् मूल्यांकन करने हेतु प्रशिक्षित करना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई.सी.टी. के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

1) संख्या तथा संख्यांक का बोध, अंको का ज्ञान, स्थानीय मान
2) गुणा तथा भाग की संकल्पना एवं संक्रियाएँ।
3) भिन्न की संकल्पना तथा गणितीय संक्रियाएँ।
4) दशमलव संख्या की अवधारणा, दशमलव संख्या में प्रयुक्त अंकों का स्थानीय मान तथा गणितीय संक्रियाएँ।
5) अपवर्तक (विभाजक), अपवर्त्य (गुणज), समापवर्त्य की अवधारणा।
6) लघुतम समापवर्त्य तथा महत्तम समापवर्तक की अवधारणा, भाज्य तथा अभाज्य संख्याओं का अर्थ।
7) प्रतिशत का अर्थ तथा संकेत तथा प्रतिशत ज्ञात करना।
8) अवर्गीकृत आंकड़ो का पिक्टो–ग्राफ, बार–ग्राफ तथा पाई–ग्राफ द्वारा निरूपण।
9) सजातीय तथा विजातीय बीजगणितीय व्यंजकों का बोध, इनका जोड़, घटाना।
10) तल, तलखण्ड, बिन्दु, रेखा, वक्र, रेखाखण्ड, किरण तथा कोण की संकल्पना।
11) पटरी तथा परकार की सहायता से 60°, 90° तथा 120° का कोण बनाना।
12) कोण के प्रकार (न्यूनकोण, समकोण तथा अधिकोण)
13) त्रिभुज, आयत, वर्ग तथा वृत्त की अवधारणा तथा इनके अंगो की जानकारी।
14) परिमिति का अर्थ।

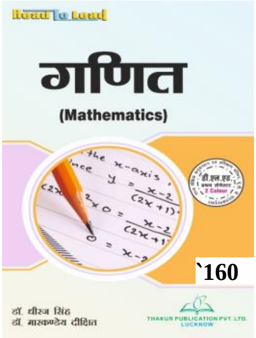

प्रयोगाात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

प्रशिक्षु शिक्षकों को गणित के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video Clip, Audio Clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं–

1) गणित शिक्षण हेतु परिवेशीय सामग्रियों से शिक्षण अधिगम सामग्रियों का निर्माण करना।
2) त्रिभुज, आयत, वर्ग तथा वृत्त की समझ विकसित करने के लिये गतिविधि/मॉडल बनाना।
3) तल, तलखण्ड, बिन्दु, रेखा, वक्र, रेखाखण्ड, किरण तथा कोण की समझ विकसित करने के लिये गतिविधि/मॉडल बनाना।
4) संख्या/अंको का ज्ञान विकसित करने के लिये गतिविधि/मॉडल/सामग्री बनाना।
5) स्थानीय मान की समझ विकसित करने के लिये गतिविधि/मॉडल बनाना।
6) भिन्न की संकल्पना विकसित करने के लिये गतिविधि/मॉडल/सामग्री बनाना।
7) दैनिक जीवन में गणित के प्रयोगों पर गतिविधि तैयार कराना।
8) प्रतिशत की समझ विकसित करने के लिये गतिविधि/मॉडल/सामग्री बनाना।

नोट– दी गयी विषयवस्तु के शिक्षण में गणित की पैडागॉजी एवं मैथडोलॉजी किस प्रकार प्रयुक्त हो रही है, इस बिन्दु पर प्रशिक्षुओं से कक्षा–शिक्षण के दौरान व्यापक चर्चा की जाए।

सन्दर्भित पुस्तक– **गणित**; लेखक– डॉ. धीरज सिंह, डॉ. मार्कण्डेय दीक्षित; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य–**160**/–

(सेमेस्टर–1) सामाजिक अध्ययन

उद्देश्य

- प्रशिक्षुओं में सामाजिक विज्ञान की विषयवस्तु की संज्ञानात्मक समझ विकसित करना एवं विषयवस्तु की समीक्षा एवं समालोचना करने में सक्षम बनाना।
- प्रासंगिक स्थानीय स्मारकों/संग्रहालयों/पर्यटन स्थल आदि को, विषयवस्तु को सीखने–सिखाने की प्रक्रिया का हिस्सा बनाना।
- सामाजिक अध्ययन में शिक्षण की विधाओं, संचार माध्यमों का प्रयोग एवं मूल्यांकन की विधियों से परिचित होकर कक्षा–शिक्षण में उनके उपयोग हेतु सक्षम बनाना।
- प्रशिक्षु को दैनिक जीवन की गतिविधियों, घटनाओं के माध्यम से सामाजिक अध्ययन की विषयवस्तु को प्रस्तुत करने में सक्षम बनाना।
- सामाजिक अध्ययन की विषयवस्तु को चार्ट/मानचित्र/सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी.) के माध्यम से रूचिकर तरीके से प्रस्तुत करने में प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षु से विषयवस्तु से सम्बन्धित सामग्रियाँ/मॉडल तैयार कराना।
- प्रशिक्षु को विभिन्न एजुकेशनल सॉफ्टवेयर/गेम/प्रयोगों के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने में प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षु को सामाजिक अध्ययन की विभिन्न विषयवस्तुओं के सतत् मूल्यांकन प्रक्रिया में प्रशिक्षित करना।
- सामाजिक अध्ययन के विषयवस्तु को शिक्षार्थी केन्द्रित शिक्षण विधियों जैसे अभिनय, समूह–चर्चा, पैनल–चर्चा, वाद–विवाद, समस्या समाधान, भ्रमण, प्रोजेक्ट विधि आदि के उपयोग हेतु सक्षम बनाना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई.सी.टी. के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

1) इतिहास का अर्थ, महत्त्व एवं जानने के स्रोत, पुरातात्विक मुद्रा एवं अभिलेख, साहित्यिक विवरण, विदेशी यात्रियों का विवरण, तिथि निर्धारण पद्धतियाँ।
2) पृथ्वी पर मानव की उत्पत्ति एवं विकास–पाषण या प्रस्तर काल, ताम्र एवं कांस्य युग, लौह युग।
3) नदी घाटी की सभ्यताएं– सिंधु घाटी की सभ्यता, मेसोपोटैमिया की सभ्यता, मिस्र की सभ्यता, चीन की सभ्यता।
4) वैदिक काल– पूर्व एवं उत्तर वैदिक काल।
5) महाजनपद काल–भारत के प्रारंभिक षोडश महाजनपदों का उल्लेख, मगध का साम्राज्य, सिकंदर का आक्रमण व उसका भारत पर प्रभाव।
6) उपनिषद्काल–जैन व बौद्ध धर्म।
7) सौरमण्डल–ग्रह, उपग्रह, क्षुद्रग्रह, आकाशगंगा, उल्कापिंड।

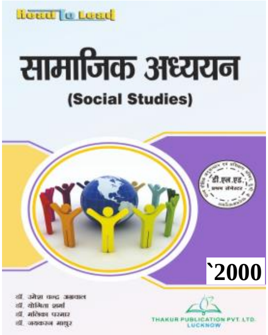

8) मानचित्र अर्थ एवं दिशाओं का ज्ञान, मानचित्रण।
9) अक्षांश एवं देशान्तर रेखाएं–क्या, कितनी और क्यों, GMT, IST, International Date Line, Time Zones, Prime Meridian.

10) पृथ्वी ताप कटिबन्ध, गोलार्ध एवं ध्रुव।
   i) पृथ्वी की गतियां–परिभ्रमण, परिक्रमण– क्या, क्यों कैसे एवं इसका परिणाम।
   ii) महाद्वीप, महासागर।
   iii) एशिया महाद्वीप में भारत–स्थिति एवं विस्तार पड़ोसी देश, धरातल, जलवायु, वनस्पति एवं वन्यजीव।
   iv) खगोलीय संगठन– NASA & ISRO आदि।
   v) ग्रामीण एवं नगरीय जीवन शैली।
   vi) ग्रामीण जीवन–पंचायती राज व्यवस्था–ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत, जिला पंचायत का गठन एवं मुख्य कार्य।
   vii) नगरीय जीवन–नगर पंचायत, नगर पालिका परिषद, नगर निगम का गठन एवं मुख्य कार्य
   viii) जनपद स्तरीय प्रशासन–कानून व्यवस्था, भूमि व्यवस्था, नागरिक सुविधाओं का विकास–शिक्षा व्यवस्था, स्वास्थ्य व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था।
11) यातायात एवं सुरक्षा
   i) सड़क यातायात के नियमों एवं संकेतों की जानकारी।
   ii) सड़क दुर्घटना के बचाव हेतु सावधानियां।
   iii) रेल यातायात–रेल क्रासिंग के संकेतों की जानकारी।
   iv) रेलयात्रा करते समय सावधानियां।
   v) यातायात संकेतो की जानकारी।
12) अर्थशास्त्र एक परिचय–अर्थशास्त्र का अभ्युदय, विभिन्न अर्थशास्त्रियों के दृष्टिकोण में अर्थशास्त्र, प्रसिद्ध अर्थशास्त्रियों का अर्थशास्त्र में योगदान–एडम स्मिथ, एल्फ्रेड, मार्शल रॉबिन्स, जे.के. मेहता, अमर्त्य सेन आदि।
13) राष्ट्रीय आय, प्रति व्यक्ति आय, सकल घरेलू उत्पाद (GDP), शुद्ध घरेलू उत्पाद (NDP), सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP), शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद (NNP)] वैयक्तिक आय (Personal Income), व्यय योग्य आय (Disposable Income), राष्ट्रीय आय व आर्थिक विकास।

प्रयोगाात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

प्रशिक्षु शिक्षकों को सामाजिक अध्ययन के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video Clip, Audio Clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं–

1) भारत में प्रारम्भिक मानव के प्रमुख स्थलों, प्रमुख नदियों, प्रमुख प्राचीन विश्वविद्यालयों, प्रमुख विदेशी मुद्राओं, वेशभूषाओं, राजधानियों, भाषाओं को मानचित्र/मॉडल/चार्ट/सामग्री के माध्यम से प्रर्दिशत करें
2) मानचित्र पर बौद्ध धर्म, जैन धर्म, इस्लाम धर्म के प्रसार को मानचित्र/मॉडल के माध्यम से दर्शायें।
3) अक्षांश एवं देशान्तर रेखाओं को स्पष्ट करने के लिए मॉडल/सामग्री/ आई.सी.टी. पर आधरित शिक्षण–सामग्री तैयार करें।
4) विश्व के मानचित्र में प्रमुख शहरों के अक्षांश एवं देशांतर अंकित करें।
5) भारत के पड़ोसी देशों एवं सीमाओ, नदियों की सीमाओं, ताप कटिबंध की सीमाओं मॉडल/सामग्री/ आई.सी.टी. पर आधरित शिक्षण–सामग्री तैयार करें।
6) यातायात के साधनों, यातायात सुरक्षा पर मॉडल/सामग्री/ आई.सी.टी. पर आधरित शिक्षण–सामग्री तैयार करें।
7) घरेलू आय–व्यय, भारत के राष्ट्रीय आय–व्यय आदि पर मॉडल/सामग्री/ आई.सी.टी. पर आधरित शिक्षण–सामग्री तैयार करें।
8) प्राचीन भारतीय इतिहासकारों, अर्थशास्त्रियों, शिक्षाविद्‌ो, संग्रहालयों, स्मारकों का फोटो एलबम तैयार करें।

9) अपने शहर के किसी संग्रहालय का भ्रमण कर किन्हीं दस वस्तुओं पर एक रिर्पोट लिखिए, जिसमें उल्लेख कीजिए कि वे कितनी पुरानी है, कहाँ मिली थी।
10) परिक्रमण, परिभ्रमण, सौर मण्डल एवं सौर मण्डल की गतिविधियों पर प्रोजेक्ट/मॉडल/सामग्री/ आई.सी.टी. पर आधरित शिक्षण–सामग्री तैयार करें।
11) पिछले 10 वर्षो में भारत की राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय की तालिका बनाकर दर्शाइये।

सन्दर्भित पुस्तक– **सामाजिक अध्ययन**; लेखक– डॉ. उमेश चन्द्र अग्रवाल, डॉ. योगिता शर्मा, डॉ. मलिका परमार; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य–**120**/–

(सेमेस्टर–1) हिन्दी

उद्देश्य

- मनुष्य के जीवन में भाषा की भूमिका को समझाना।
- प्रशिक्षुओं को बच्चों के भाषा सीखने की प्रक्रिया से अवगत कराना एवं इस प्रक्रिया के विभिन्न स्तरों को स्पष्ट करना।
- विषयवस्तु से सम्बधित शिक्षण–सामग्री तैयार करने के लिए प्रशिक्षित करना। हिन्दी भाषा की विषयवस्तु की समझ विकसित करना।
- हिन्दी भाषा की विषयवस्तु में प्रयोग की गयी सामग्री को बच्चों द्वारा परिवेश से एकत्रित कराने एवं दिये गये भावों को बच्चों से प्रस्तुत कराकर उनकी विषय–वस्तु में रुचि उत्पन्न कराने में प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षुओं को बच्चों को पढ़ने, लिखने एवं समझने के लिए प्रेरित करने हेतु कहानियॉ/कविता बनाने एवं प्रस्तुत करने में प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षुओं को संचार प्रौद्योगिकी एवं अन्य शिक्षण विधाओं के माध्यम से बच्चों के पठन कौशल विकास (शुद्ध उच्चारण) के लिए प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षु को भाषा शिक्षण का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन कराने में प्रशिक्षित करना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण, शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। कक्षा में कहानी का उपयोग सिखायें। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए, साथ ही उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, बताया जाए। यथासम्भव सूचना तकनीक/कम्प्यूटर के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए।

प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग विधि सीख सके।

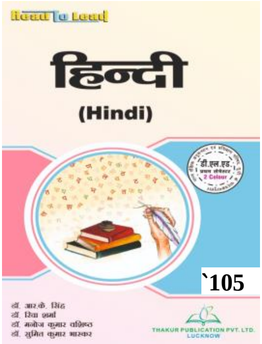

1) हिन्दी भाषा में ध्वनियों को सुनकर समझना एवं शुद्ध उच्चारण।
2) देवनागरी लिपि के समस्त लिपि संकेतों, स्वर, व्यंजन, संयुक्त वर्ण, संयुक्ताक्षर, मात्राओं का ज्ञान ।
3) विलोम, समानार्थी, तुकान्त व समान ध्वनियों वाले शब्दों की पहचान।
4) अल्प विराम, अर्धविराम, पूर्णविराम, प्रश्न वाचक, विस्मयबोधक, अवतरण चिन्ह, विराम चिन्ह का ज्ञान और उनका प्रयोग।
5) लेखन शिक्षण की विधियाँ और लिखना, सीखने में ध्यान रखने योग्य बातें–बैठने का ढंग, आंखों के कागज की दूरी, कलम पकड़ने की विधि, शिरोरेखा, लिपि, अक्षर की सुडौलता और उपयुक्त नमूने, अभ्यास, सुलेख, अनुलेख श्रुतलेख।

प्रयोगाात्मक कार्य / सत्रीय / प्रोजेक्ट कार्य / मॉडल

प्रशिक्षु शिक्षकों को हिन्दी के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, जानकारी एवं घटनाओं के अन्तः सम्बन्धों को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, खेल, गतिविधि, दृश्य–(वीडियो / आडियो), समाग्री, प्रयोग तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल / प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल / प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं–

1) अक्षर, मात्रा, शब्द, स्वर, व्यंजन, संयुक्त वर्ण, संयुक्ताक्षर सीखने हेतु शिक्षण–सामग्री / मॉडल / सामग्री का निर्माण।
2) अल्पविराम, अर्धविराम, पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक, विस्मयबोधक चिन्हों को स्पष्ट कराने हेतु शिक्षण–सामग्री / मॉडल / सामग्री / उदाहरण का निर्माण।
3) बाल कविताओं, बालगीतों, बालकथाओं व गतिविधियों का संग्रह एवं उन पर आधारित नाटक प्रस्तुत करना।
4) उच्चारण के शुद्धीकरण हेतु वीडियो–आडियो सामग्री।
5) कक्षा शिक्षण की दृष्टि से समाचार–पत्रों / पत्रिकाओं से सामग्री का संकलन तैयार करना।

सन्दर्भित पुस्तक– हिन्दी; लेखक– डॉ. आर.के. सिंह, डॉ. रिचा शर्मा; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य– 105 / –

(सेमेस्टर–1) संस्कृत

उद्देश्य

- प्रशिक्षुओं द्वारा बच्चों को संस्कृत भाषा सीखने की प्रक्रिया से अवगत कराना एवं प्रक्रिया के विभिन्न स्तरों को स्पष्ट करना।
- विषयवस्तु से सम्बधित टी.एल.एम. तैयार करने में प्रशिक्षित करना। संस्कृत की विषयवस्तु की समझ विकसित करना।
- संज्ञा, लिंग एवं वचन के माध्यम से बच्चों में शुद्ध उच्चारण एवं लेखन के कौशल का विकास करेंगे।
- शब्द व धातु रूप का ज्ञान कराते हुए उनके प्रयोग का कौशल विकसित करेंगे।
- संस्कृत भाषा के महत्त्व से परिचित होकर बच्चों में उच्चारण, वाचन, लेखन की दक्षता के विकास हेतु ऑडियो / वीडियो / आई.सी.टी. का प्रयोग करना सिखाना।
- प्रशिक्षु को भाषा का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन करने में प्रशिक्षित करना।
- धातु रूप का ज्ञान कराते हुए उनके प्रयोग का कौशल विकसित करेंगे।
- संस्कृत भाषा के महत्त्व से परिचित होकर बच्चों में उच्चारण, वाचन, लेखन की दक्षता के विकास हेतु ऑडियो / वीडियो / आई.सी.टी. का प्रयोग करना।
- प्रशिक्षु को भाषा का सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन करने में प्रशिक्षित करना।
- संस्कृत ध्वनियों के उच्चारण स्थान से अवगत कराना एवं उनका शुद्ध उच्चारण हेतु प्रेरित करना।
- संस्कृत गद्यों, श्लोकों एवं लद्यु कहानियों के माध्यम से छात्रों में राष्ट्रीय प्रेम, पर्यावरण संरक्षण तथा लैंगिक समानता जैसे मानवीय मूल्यों को विकसित करना।
- बच्चों में सरल हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करने का कौशल विकसित करना।
- संस्कृत भाषा के महत्त्व से अवगत होकर बच्चों में संस्कृत के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
- संस्कृत भाषा के संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण आदि के प्रयोग से दक्षता विकसित करना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया / विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई.सी.टी. के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी

प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

कक्षा–शिक्षणः विषयवस्तु

1) आस–पास की वस्तुओं, पशु–पक्षियों के संस्कृत नाम की जानकारी।
2) संज्ञा, लिंग, एवं वचन की जानकारी।
3) संज्ञा एवं सर्वमान शब्दों की सभी विभक्तियों तथा वचनों का ज्ञान।
4) धातु रूप के अन्तर्गत लट् एवं लंङ्., लकार का प्रयोग।
5) संज्ञा एवं सर्वनाम शब्द के अनुरूप क्रिया के प्रथम, मध्यम एवं उत्तम पुरुषों का प्रयोग।
6) सरल संस्कृत वाक्यों का हिन्दी में अनुवाद।
7) वन्दना एवं नीतिपरक वाक्यों का सस्वर वाचन।
8) श्लोकों तथा नीतिपरक वाक्यों का अर्थ ज्ञान।
9) एक से बीस तक की संस्कृत संख्याओं का ज्ञान।
10) **संभाव शिक्षण विधाएँ**–शिक्षक प्रशिक्षुओं को गेम, वीडियो क्लिप, ऑडियो क्लिप, करके सीखना, उच्चारणाभ्यास, अनुकरण वाचन, सामूहिक कार्य, खेल अभिनय, श्यामपट्ट, चार्ट, मॉडल, चित्र, शब्द कार्ड व पटि्टका के द्वारा गतिविधियाँ कराते हुए शिक्षण अधिगम सिखाना।

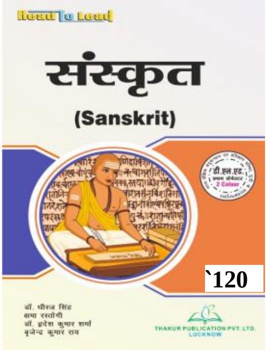

प्रयोगाात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

प्रशिक्षु शिक्षकों को संस्कृत के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video Clip, Audio Clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जाएगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं–

1) संस्कृत शिक्षण हेतु शिक्षण अधिगम सामग्री का निर्माण।
2) संस्कृत शिक्षण हेतु गतिविधियों का निर्माण।
3) संस्कृत भाषा में आत्म परिचय तैयार करना।
4) नीतिपरक वाक्यों की पटि्टकाएं तैयार करना।
5) संस्कृत में गिनतियों, धातुओं व रूपों पर मॉडल तैयार करना
6) श्लोक वाचन की एक ऑडियो/वीडियो क्लिप तैयार करना।

सन्दर्भित पुस्तक– संस्कृत; लेखक– डॉ. धीरज सिंह, क्षमा रस्तोगी; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य– 120/–

(सेमेस्टर–1) कम्प्यूटर शिक्षा

उद्देश्य

- कम्प्यूटर का परिचय, इतिहास, विकास व उसके प्रकार की जानकारी देना।
- कम्प्यूटर का प्रयोग, कार्यक्षेत्र, लाभ, सीमायें और कम्प्यूटर की कार्य प्रणाली से प्रशिक्षु को परिचित कराना।
- हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर एवं उनकी कार्य प्रणाली, सॉफ्टवेयर एप्लीकेशन की कार्यप्रणाली, मल्टीमीडिया का परिचय एवं उसके प्रयोग से सम्बन्धित जानकारी देना।
- मल्टीमीडिया और इन्टरनेट को कक्षा–कक्ष शिक्षण में प्रभावी रूप से प्रयोग करने हेतु प्रशिक्षित करना।
- विश्व में हो रहे शैक्षिक अनुसंधान/नवाचारों में कम्प्यूटर की उपयोगिता एवं प्रासंगिकता से प्रशिक्षुओं को अवगत कराना एवं इंटरनेट पर सामग्री खोजने की विधि बताना।

- कम्प्यूटर की सहायता से आंकड़ों को सुरक्षित रखना, गणितीय अभिक्रियाएँ करना एवं विभिन्न प्रकार के खेलों के माध्यम से शैक्षिक उद्देश्यों की प्राप्ति कराना।
- प्रौद्योगिकी पर आधारित गतिविधियों के माध्यम से विषयवस्तु एवं जीवन कौशल की जानकारी देना।
- कक्षा–शिक्षण को प्रभावी एवं रोचक बनाने हेतु कम्प्यूटर गेम/वीडियो क्लिप आदि के प्रयोग करने में प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षु को माइक्रोसॉफ्ट ऑफिस, ओपेन सोर्स साफ्टवेयर, सायबर सेफ्टी, आई.टी. सायबर नियम की जानकारी देना।
- प्रशिक्षु को सूचना एवं संचार प्रोद्यौगिकी (आई.सी.टी.) के प्रयोग में प्रशिक्षित करना।
- प्रशिक्षु को स्कूल मैनेजमेन्ट में आई.सी.टी. के प्रयोग में प्रशिक्षित करना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई.सी.टी. के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

Introduction to computers

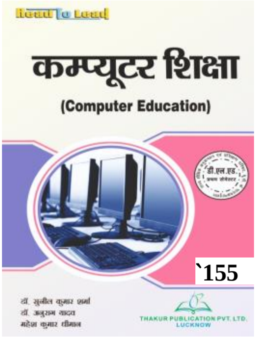

History and Development

1) Chronology 2) Generations

Definition of a Computer System

Types of a Computer System

1) On basis of Data Representation (Analog, Digital and Hybrid)
2) On basis of Size and Speed (Microcomputer(PC), Minicomputer, Mainframes and Super Computer)

Uses and Application area of Computers

Advantages and Limitations of Computers

Components of a Computers System

Hardware

1) Input Devices (Keyboard, Mouse, Trackball, Stylus, Light pen etc.)
2) Processing Devices
   i) C.P.U./Microprocessors
      a) Overview and Basic Concept
      b) Registers and Buses
      c) Processing Speeds(GHz etc.)
   ii) Memory
      a) Overview and Basic Concept
      b) Capacity Terminology (Bits, Bytes, KBs, MBs, GBs, TBs, etc)
      c) Processing Speeds (Bps, Kbps, Mbps etc.)
      d) Types of Memory
         - Primary (RAM, ROM, Cache)
         - Secondary (HDDs, CDs, DVDs, PDs, Memory Cards etc.)
3) Output Devices (V.D.U., Printer)

Software (System Software, Application Software)

Working of a Computer System

1) I-P-O (Input Processing and Output Cycle)
2) Overview of Instructing/Programming a Computer machine

Working on Computers

Working with System Software ('Operating System (OS)' module only)

1) Introduction to OS
2) OS: Function, Uses and Benefits
3) Types of OS (Single User, Multiuser, Multitasking, Multiprocessing, Real-Time etc.
4) Introduction to different types of OS (Windows, Macintosh, Linux Ubuntu etc.)
5) Using Microsoft's windows OS (Microsoft Window XP)
   i) Welcome Screen
   ii) Desktop screen
      a) Concept of a Desktop
      b) Components of the Windows XP's Desktop (Icons, Taskbar, Clock and Calendar etc.)
      c) Desktop's settings (Wallpapers, Screen Savers etc.)
      d) Start Menu (Links, All Programs etc.)
   iii) Files and Folders management
      a) Introduction to 'My Computers'
      b) Working with Windows Explorer (Parts of a window, Control buttons, Scrolling etc.)
      c) Working with Files and Folders (Creation, Deletion, Renaming, Coping, Moving, Nesting etc.)
   iv) System Management
6) Turning ON and OFF your computer machine
   i) Control Panel
      a) Device (Printer, Fax, Mouse, Keyboard etc.) management
      b) Program (Installation and Uninstallation) management
   ii) Recycle Bin

Working with Applications Software (Hand on practice over general applications)

1) Calculator, Notepad, MS Paint, Games etc.
2) Installing new software and using it

Working with Multimedia

1) Introduction and Basic Concept
2) Uses and Application
3) Using some Multimedia Application (Windows Media Player, Microsoft's Encarta etc.)
4) Uploading innovative teaching methods in different browsers

Internet: Introduction to Networking

1) Introduction and Basic Concept
2) Uses and Application
3) Types of Networks
4) Performing setup to gather (Two or more systems in a network)

Introduction to Internet

1) Introduction and Basic Concept
2) Components of Internet (Web Browser, Server, Website and Web pages, Hyperlinks)
3) Services of Internet (WWW, Email, FTPs, Chatting etc.)
4) Performing setup for Internet in a Computer System

Working on Internet

1) Using Microsoft's Internet Explorer
2) Using basic Online-Services
    i) Search-Engines (Google, Bing, Yahoo etc.)
    ii) Email (Gmail, Yahoo Mail etc.)
    iii) Chatting (MSN, Yahoo Messenger etc.)
    iv) Internet calling (Skype etc.)
    v) Social Networking (Facebook, Twitter, Google Groups, MSN etc.)
3) Accessing Education related online links (Website, FB page, Twitter, LinkedIn etc.)
    i) MHRD
    ii) NCERT and SCERT of states
    iii) DIET.
    iv) UP Basic Education
4) Downloading and Uploading content to and from Internet
    i) PDFs, Songs, Videos etc.
    ii) **Software:** Free and Trial Versions (Installation and Updating from internet)
5) Data Security
    i) Introduction to prevailing threats / frauds in the online world
    ii) Steps to ensure security for personal and data
    iii) Securing data through Antivirus (Downloading (free copy), Installation and Updating it)

Some Useful Web Tools

1) **MS FrontPage:** Creating and Hosting self-made websites over internet
2) **MS Outlook:** Managing daily tasks, Schedule and Mails

Using Hindi (हिन्दी) in Computing

1) Reading text in Hindi (हिन्दी) (using Google Translator, Babylon etc.)
2) Writing text in Hindi (हिन्दी) (using Microsoft Language's Indic-Input Tool)

Using Software Application for Documentation and Professional use

1) Need of I.T. Tools and their priority over manual work
2) Packages: Introduction and Basic Concept
3) Types of packages (Word Processors, Worksheet Packages, Presentation Packages, Database Packages etc.)
4) Introduction to Different Office Packages in market (Microsoft's Office 2007, Oracle's OpenOffice.org etc.)

Working with a Office Package (Microsoft's Office 2007)

1) Working with MS Word
2) Working with MS Excel
3) Working with MS PowerPoint
4) Working with MS Access

Cyber safety and IT/Cyber Laws

Experimental/Sessional work

1) Preparation of TLM using MS Paint.
2) Create a worksheet in MS Excel, using data from class records (e.g., Name and height of the student and marks obtained by them). Use this worksheet to create the different types to charts-
    i) Line chart
    ii) Bar Chart
    iii) Pie Chart
    iv) Column Chart

3) Practice of theoretical aspects, in the computer Lab of the Institution.
4) Create a teaching video of your choice and upload on internet.
5) Create a blog on academic issues.
6) Translate any text into a different language (Hindi-English) using Google.
7) Prepare a collection of reference material on any topic (allotted by the teacher) using different search engines (e.g., Google) and websites of IGNOU, NCERT, UNESCO, etc.
8) Make a Power Point Presentation to create awareness about any one of the prevailing social issues in our society.
9) Each student will write a critical review on the "Cyber safety and Cyber Laws" Practice of all the theoretical aspects in the Computer Lab of the Institution.

<u>सन्दर्भित पुस्तक</u>– कम्प्यूटर शिक्षा; लेखक– डॉ. सुनील कुमार शर्मा, महेश कुमार धीमन; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य–**155**/–

सेमेस्टर–2

(Edu 03) वर्तमान भारतीय समाज और प्रारम्भिक शिक्षा

उद्देश्य

- शिक्षा की आवश्यकता, महत्त्व और उद्देश्य से अवगत कराना एवं सामाजिक विकास में शिक्षा की भूमिका से अवगत कराना।
- प्राचीन, मध्यकालीन एवं वर्तमान में भारतीय शिक्षा के स्वरूप एवं व्यवस्था की जानकारी देना।
- विविध शैक्षिक विचारधाराओं का महत्त्व एवं आधुनिक शिक्षा में उनकी उपयोगिता से अवगत कराना।
- वर्तमान भारतीय समाज में होने वाले मूल्य परिवर्तनों एवं उसके शिक्षा जगत में पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी देना।
- नवीन शैक्षिक समस्याओं एवं चुनौतियों का निर्धारण एवं योजनाबद्ध तरीके से निराकरण में प्रशिक्षित करना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई.सी.टी. के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

पाठ्यक्रम (Syllabus) - वर्तमान भारतीय समाज और प्रारम्भिक शिक्षा

खण्ड 'क' प्रारम्भिक शिक्षा

1) शिक्षा की संकल्पना, अर्थ (प्राचीन तथा अर्वाचीन) एवं महत्त्व
2) शिक्षा के उद्देश्य एवं वर्तमान भारत में शिक्षा के उद्देश्यों को प्रभावित करने वाले कारक
3) **शिक्षा के प्रकार**–औपचारिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा
4) प्रारम्भिक शिक्षा की पृष्ठभूमि
    i) प्राचीन काल(गुरुकुल एवं बौद्धकालीन शिक्षा)
    ii) मध्यकालीन शिक्षा (मुगलकालीन शिक्षा)
    iii) आधुनिक शिक्षा (स्वतन्त्रता के पूर्व एवं पश्चात्)

5) प्रमुख शैक्षिक विचारधाराएँ एवं विचारक
   i) आदर्शवाद ii) प्रकृतिवाद iii) प्रयोजनवाद
   ii) **भारतीय विचारक–** विवेकानन्द, रविन्द्रनाथ, महात्मा गाँधी, डॉ. राधाकृष्णन, गिजूभाई बधेका
   iii) **पाश्चात्य विचारक–** प्लेटो, रूसो, जॉन डीवी, फ्रोबेल, मारिया मॉन्टेसरी

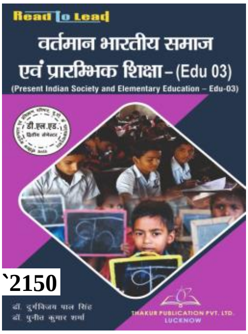

खण्ड 'ख' शिक्षा और समाज

1) शिक्षा और समाज का अन्तः सम्बन्ध
2) **शिक्षा के प्रभावी कारक–**परिवार, समाज, विद्यालय, राज्य एवं जनसंचार साधन
3) **शिक्षा और सामाजिक परिर्वतन–**सामाजिक परिवर्तन के कारक
4) **विद्यालय और समुदाय का सम्बन्ध–**विद्यालय–सामुदायिक केन्द्र के रूप में
5) उभरते समाज के प्रमुख मुद्दे–
   i) शिक्षा का सार्वभौमीकरण एवं शैक्षिक अवसरों की समानता
   ii) शिक्षा का व्यावसायीकरण एवं इस पर नियन्त्रण
   iii) बचपन छीनता बालश्रम–निःशुल्क व अनिवार्य बाल शिक्षा में बाधक
   iv) जनसंख्या शिक्षा–अर्थ, आवश्यकता, महत्त्व एवं समयानुरूप मानव संसाधन का विकास
   v) जातिवाद, अलगाववाद, साम्प्रदायिकता एवं इसके दुष्परिणाम, सामाजिक/पारस्परिक सौहार्द व समरसता वर्तमान आवश्यकता
   vi) पर्यावरण प्रदूषण एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता
   vii) जलसंचयन–ऊर्जा एवं भूमि संरक्षण
   viii) भूमण्डलीय ताप वृद्धि (ग्लोबल वार्मिंग) एवं जलवायु परिवर्तन
   ix) भूमण्डलीकरण
   x) लैंगिक असमानता तथा उसका प्रभाव, शिक्षा द्वारा लैंगिक समानता के प्रति समझ व संवेदनशीलता का विकास
   xi) जनसंचार माध्यमों की बढ़ती भूमिका और समाज पर इनका बहुआयामी प्रभाव
6) **शिक्षा एवं मानवीय मूल्य**
   i) मानवीय मूल्यों की शिक्षा–अर्थ एवं उद्देश्य।
   ii) मूल्यों के विकास में परिवार, समाज और विद्यालय की भूमिका
   iii) राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना की शिक्षा
   iv) लोकतांत्रिक, वैज्ञानिक एवं तकनीकी दृष्टिकोण का विकास

प्रयोगाात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

प्रशिक्षु शिक्षकों को वर्तमान भारतीय समाज और प्रारम्भिक शिक्षा के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video Clip, Audio Clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं–

1) विभिन्न शैक्षिक चुनौतियों एवं निराकरण के उपायों की सारिणी बनाना।
2) भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों के शैक्षिक विचारों की तुलना करना।
3) निम्नलिखित प्रकरणों पर मॉडल/चार्ट/कहानी/केस स्टडी/पेन्टिंग तैयार करना–
   i) बचपन छीनता बालश्रम
   ii) जातिवाद, अलगाववाद, सांप्रदायिकता
   iii) लैंगिक असमानता
   iv) ग्रामीण एवं शहरी शिक्षा, सरकारी एवं निजी विद्यालयी शिक्षा
   v) अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव

4) मानवीय व नैतिक मूल्यों पर आधारित कहानियों, कविताओं, प्रेरक प्रसंगों का लेखन एवं संकलन।
5) प्रकृतिवाद एवं प्रयोजनवाद को पॉवर प्वांइट के माध्यम से प्रस्तुत करना।
6) शिक्षा को प्रभावित करने वाले कारकों पर मॉडल/चार्ट/पावर प्वाइंट प्रस्तुतीकरण तैयार करना।
7) 'जनसंचार माध्यमों का शिक्षा पर प्रभाव' विषय पर मॉडल/प्रस्तुतीकरण/वीडियो क्लिप तैयार करना।

सन्दर्भित पुस्तक– **वर्तमान भारतीय समाज और प्रारम्भिक शिक्षा;** लेखक– डॉ. दुर्गाविजय पाल सिंह, डॉ. पुनीत कुमार शर्मा; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ; मूल्य–**215**/–

(Edu 04) प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास

उद्देश्य

- प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण हेतु संवैधानिक प्रावधानों एव प्रतिबद्धताओं से अवगत कराना।
- प्राथमिक शिक्षा के विकास हेतु संचालित विभिन्न कार्यक्रम एवं परियोजनाओं की जानकारी देना।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई.सी.टी. के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

पाठ्यक्रम (Syllabus) - प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास

1) **प्रारम्भिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण हेतु संवैधानिक प्राविधान एवं प्रतिबद्धताएँ**
   i) संविधान के अनुच्छेद 21(ए), 29(2), एवं 45 के अन्तर्गत शिक्षा सम्बन्धी संस्तुतियाँ।
   ii) बच्चों के अधिकार (बाल अधिकार)।
   iii) निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम–09 (RTE.09)।

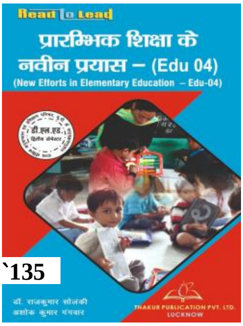

2) **प्रारम्भिक शिक्षा के संदर्भ में गठित आयोग एवं समितियां**
   i) स्वतन्त्रता के पूर्व एवं पश्चात की संक्षिप्त जानकारी
   ii) लार्ड मैकाले की शिक्षा नीति, वुड का घोषणपत्र, हण्टर आयोग, ऑकलैण्ड एवं कर्जन का योगदान
   iii) कोठारी आयोग
   iv) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 एवं प्रोग्राम ऑफ एक्शन 1992
   v) यशपाल समिति
   vi) राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 (NCF 2005)
   vii) शिक्षक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2009 (NCFTE 2009)
3) **प्रारम्भिक शिक्षा के विकास हेतु संचालित कार्यक्रम एवं परियोजनाएं (उ.प्र. के संदर्भ में) विभिन्न**
   i) ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड परियोजना (OB)
   ii) सेवारत अध्यापकों का विस्तृत अभिविन्यास कार्यक्रम (P-MOST)
   iii) प्राथमिक शिक्षकों का विशेष अनुस्थापन कार्यक्रम (SOPT)
   iv) बेसिक शिक्षा परियोजना (BEP)

v) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम (द्वितीय एवं तृतीय) (DPEP)
vi) विद्यालय शिक्षा कार्यक्रम (स्कूल रेडीनेस कार्यक्रम)
vii) सम्पूर्ण साक्षरता अभियान
viii) सर्वशिक्षा अभियान
ix) NPEGEL–नेशनल प्रोग्राम ऑफ एजूकेशन फॉर गर्ल्स एट एलीमेन्ट्री लेवल
x) स्कूल चलो अभियान
xi) कस्तूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालय योजना
xii) ई.सी.सी.ई. कार्यक्रम
xiii) राष्ट्रीय बालश्रम परियोजना
xiv) मध्याह्न भोजन/पोषाहार वितरण
xv) छात्रवृत्ति वितरण एवं अन्य प्रोत्साहन योजनाएं
(निःशुल्क पाठ्यपुस्तक, गणवेश, बच्चों हेतु फर्नीचर)

प्रयोगाात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

प्रशिक्षु शिक्षकों को प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video Clip, Audio Clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं।

1) लार्डमैकाले, वुड, हण्टर, ऑकलैण्ड एवं कर्जन के शैक्षिक विचारों का तुलनात्मक अध्ययन।
2) राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 एवं प्रोग्राम ऑफ एक्शन 1992 की प्रासंगिकता से सम्बन्धित लेख, चार्ट तैयार करना।
3) विद्यालयों का भ्रमण कर उनका प्रोफाइल तैयार करना।
4) जिला प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम एवं सर्व शिक्षा अभियान का तुलनात्मक अध्ययन।
5) मध्यान्ह भोजन, पोषाहार वितरण पर वीडियो क्लिप/चार्ट कहानी तैयार करना।
6) विकासखण्ड/जनपद के शैक्षिक परिदृश्य पर विश्लेषणात्मक रिपोर्ट तैयार करना।

सन्दर्भित पुस्तक– प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास; लेखक– डॉ. राजकुमार सोलंकी, अशोक कुमार गंगवार; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ; मूल्य–**135**/–

(सेमेस्टर–2) विज्ञान

1) **पृथ्वी और आकाश–**सौर परिवार एवं तारा मण्डल, छाया एवं ग्रहण, आकाशीय पिण्ड, पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति के कारण तथा अन्य ग्रहों पर जीवन की संभावना, भारत व विश्व के अन्य देशों के प्रमुख अंतरिक्ष अभियान।
2) **मृदा तथा फसलें–**फसल–चक्र, कृषि पद्धतियां तथा उसके उपकरण। कीटनाशक– प्रयोग व पर्यावरण पर उसके दुष्प्रभाव। मृदा अपरदान व संरक्षण (कृषि विधियां)।
3) **कार्य व ऊर्जा–**कार्य तथा ऊर्जा का मापन व आवश्यकता, ऊर्जा के विभिन्न रूप यांत्रिक, रासायनिक, ध्वनि, प्रकाश, विद्युत व आवेशीय ऊर्जा का अपव्यय व संरक्षण, ऊर्जा के विभिन्न स्त्रोत। **ऊर्जा के सीमित व असीमित स्त्रोत–**विकास एवं उपयोग। **जैसे–** सौर ऊर्जा के उपयोग सोलर कुकर, सौर सेल, जल उष्मक, **पवन ऊर्जा के उपयोग–**पवन चक्की, ज्वार भाटा आधारित ऊर्जा तथा नाभिकीय ऊर्जा तथा नाभिकीय ऊर्जा, विभिन्न प्रकार की ऊर्जाओं का अन्तः रूपान्तरण।
4) **सरल मशीने–**प्रकार (उत्तोलक, पेंच, घिरनी, झुका तल, पहिया), दैनिक जीवन में उपयोग।
5) **जीवों की संरचना–**कोशिका–ऊतक–अंग–अंगतंत्र–जीवकोशिका की खोज, संरचना, कोशिकांग व उनके कार्य।
6) **जीवन की क्रियाएं–**पोषण, श्वसन, उत्सर्जन, संवेदनशीलता, प्रकाश संश्लेषण, वृद्धि व प्रजनन, वाष्पोत्सर्जन।

7) **मानव शरीर के अंग एवं कार्य–**मानव कंकाल,पेशियां एवं पेशीय गतियाँ, दाँतों की संरचना, पाचन तंत्र परिसंचरण तंत्र।

8) **भोजन, स्वास्थ्य एवं रोग–**भोजन के प्रमुख पोषक तत्त्व/प्रमुख घटक प्रोटीन, वसा, कार्बोहाइड्रेड, विटामिन तथा मिनरल, संतुलित आहार, पोषक तत्वों की कमी से होने वाले रोग, परिवेशीय स्वच्छता एवं स्वास्थ्य, संक्रामक रोग व उनकी रोकथाम, टीकाकरण अभियान।

9) **तत्त्वों का वर्गीकरण, परमाणु/परमाणवीय संरचना, संयोजकता–**रासायनिक अभिक्रिया, रसायन की भाषा व रासायनिक सूत्र।

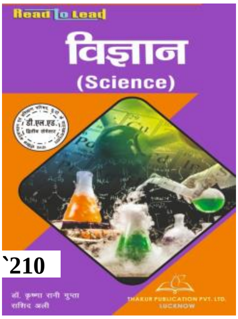

10) **पास–पड़ोस में होने वाले परिवर्तन–**नियमित व अनियमित तथा भौतिक रासायनिक परिर्वतन, इन परिवर्तनों में ऊर्जा, ऊष्मा का आदान प्रदान।

11) **अम्ल, क्षार व लवण–**पहचान व विशिष्ट गुण।

12) **पर्यावरण प्रदूषण–**जल, वायु, ध्वनि तथा मृदा प्रदूषण इनके कारण एवं प्रभाव। प्राकृतिक आपदाएं कारण, उपाय एवं प्रबन्धन (भूकंप, तूफान,बाढ़ सूखा आदि)।

प्रयोगाात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

विज्ञान के प्रत्येक पाठ से प्रशिक्षु शिक्षकों को उस पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video Clip, Audio Clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं–

1) चन्द्रमा की कलाएँ, सूर्य ग्रहण–चन्द्र ग्रहण स्पष्ट करने का मॉडल निर्माण करें।
2) ऊर्जा के रूपान्तरण को स्पष्ट करने का मॉडल निर्माण करे (**जैसे–** रासायनिक ऊर्जा का यांत्रिक ऊर्जा में परिवर्तन)।
3) विभिन्न प्रकार की मिट्टी की विविधताओं को स्पष्ट करने हेतु प्रोजेक्ट/मॉडल/चार्ट तैयार करें।
4) प्रकाश के परावर्तन व अपवर्तन को स्पष्ट करने हेतु प्रोजेक्ट/मॉडल/चार्ट तैयार करें।
5) विभिन्न प्रकार के दर्पणों पर आधारित प्रोजेक्ट/मॉडल/चार्ट तैयार करें।
6) विभिन्न प्रकार की मशीनो की कार्यप्रणाली समझाने हेतु प्रोजेक्ट/मॉडल/चार्ट तैयार करें।
7) पोषण, श्वसन, उत्सर्जन, संवेदनशीलता, प्रकाश संश्लेषण, प्रजनन, वाष्पोत्सर्जन पर आई. सी.टी. आधारित प्रोजेक्ट/मॉडल तैयार करें।
8) मानव कंकाल, पेशियां एवं पेशीय गतियाँ, दाँतों की संरचना, पाचन पंत्र, परिसंचरण तंत्र पर प्रोजेक्ट/मॉडल/चार्ट तैयार करें।
9) अपने शहर/गांव की केस स्टडी निम्नवत् बिन्दुओं पर तैयार कीजिए–
   i) स्थानीय परिवेश के बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी, कारण, निवारण, उपाय व उपचार।
   ii) पर्यावरण प्रदूषण के प्रकार, स्थिति व उसका मानव जीवन पर प्रभाव।

<u>सन्दर्भित पुस्तक</u>– **विज्ञान**; लेखक– डॉ. कृष्णा रानी गुप्ता, राशिद अली; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य–**210**/–

(सेमेस्टर–2) गणित

1) तीन अंको तक की संख्याओं का ल.स. एवं म.स. (अभाज्य गुणनखण्ड एवं भागविधि)
2) व्यंजक में प्रयुक्त जोड़, घटाना, गुणा, भाग के संकेतों तथा कोष्ठकों का सरलीकरण।
3) प्राकृतिक, पूर्ण, पूर्णांक तथा परिमेय संख्याओं की अवधारणा।
4) पूर्ण संख्याओं पर संक्रियाओं (जोड़, घटाना, गुणा, भाग) के प्रगुण।
5) पूर्णांक तथा परिमेय संख्याओं पर गणितीय संक्रियाएं तथा इनके प्रतिलोम तथा तत्समक (योगात्मक तथा गुणात्मक)।

6) समीकरण तथा सर्वसमिका का अर्थ।
7) रेखीय समीकरण (एक चर में) का हल एवं इस पर आधारित प्रश्न।
8) व्यंजकों का गुणनफल तथा सर्वसमिकाएँ।
9) क्षेत्रफल, आयतन और धारिता की संकल्पना तथा इकाई।
10) त्रिभुज, आयत एवं वर्ग का क्षेत्रफल।
11) अवर्गीकृत आँकड़ों की बारम्बारता बंटन तथा आँकड़ों का आयत चित्र द्वारा प्रदर्शन एवं निष्कर्ष निकालना।
12) सर्वांगसमता तथा समरूपता।
13) त्रिभुज के सन्दर्भ में सर्वांगसमता की शर्तें।

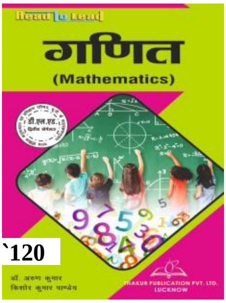

प्रयोगाात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

प्रशिक्षु शिक्षकों को गणित के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video Clip, Audio Clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं–

1) आगमन विधि तथा निगमन विधि की समझ विकसित करने के लिये गतिविधि/मॉडल/सामग्री बनाना।
2) तीन अंको तक की संख्याओं का ल.स.प. एवं म.स.प. समझाने हेतु गतिविधि/मॉडल/सामग्री बनाना।
3) व्यंजक में प्रयुक्त जोड़, घटाना, गुणा, भाग के संकेतों तथा कोष्ठकों के सरलीकरण हेतु सामग्री बनाना।
4) प्राकृतिक, पूर्ण, पूर्णांक तथा परिमेय संख्याओं की अवधारणा को स्पष्ट करने हेतु मॉडल/सामग्री बनाना।
5) गणितीय संक्रियाओं (जोड़, घटाना, गुणा और भाग) हेतु गतिविधि/मॉडल/सामग्री बनाना।
6) समीकरण तथा सर्वसमिका का अर्थ स्पष्ट करने हेतु सामग्री बनाना।
7) रेखीय समीकरण (एक चर में) का हल करने हेतु मॉडल/सामग्री बनाना।
8) क्षेत्रफल, आयतन और धारिता की संकल्पना स्पष्ट करने हेतु मॉडल/सामग्री बनाना।
9) त्रिभुज, आयत एवं वर्ग के क्षेत्रफल को ज्ञात करने हेतु मॉडल/सामग्री बनाना।
10) अवर्गीकृत आंकड़ों की बारम्बारता, माध्यिका तथा औसत स्पष्ट करने हेतु मॉडल/सामग्री बनाना। सर्वांगसमता तथा समरूपता समझाने हेतु मॉडल/सामग्री बनाना।

<u>सन्दर्भित पुस्तक</u>– **गणित**; लेखक– अरूण कुमार, किशोर कुमार पाण्डेय; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य–**120**/–

(सेमेस्टर–2) सामाजिक अध्ययन

1) भारतवर्ष में प्रथम साम्राज्य की स्थापना–मौर्यकाल, गुप्तकाल, वर्धनवंश।
2) सामन्तवाद कालीन भारत–राजपूतों का उदय, प्रमुख राजवंश एवं उनकी सामाजिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।
3) दक्षिण भारत के प्रमुख राजवंश–चालुक्य, पल्लव, चोल, राष्ट्रकूट एवं उनकी सामाजिक एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।
4) अरब में इस्लाम धर्म का उदय, भारत में इसका आगमन व प्रभाव, तुर्क आक्रमण–मुहम्मद बिन कासिम, महमूद गजनवी, गोरी के आक्रमण व उनका प्रभाव।
5) सल्तनतकालीन भारत–दिल्ली सल्तनत– स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण–दास या गुलामवंश, खिलजीवंश, तुगलक वंश–दक्षिण में बहमनी व विजयनगर राज्य की स्थापना। सल्तनत का विघटन–मंगोल आक्रमण व उसका प्रभाव–तैमूर व चंगेज खॉ, सैय्यद वंश व लोदी वंश।
6) सल्तनत कालीन उपलब्धियां–प्रशासनिक, सांस्कृतिक, कलात्मक साहित्यक, आर्थिक, सल्तनतकालीन समाज, भक्ति आन्दोलन व सूफीमत।

7) सूर्य, पृथ्वी, चन्द्रमा व प्राकृतिक शक्तियों का मानव जीवन पर प्रभाव, चन्द्रमा की कलाएं, चन्द्रग्रहण, सूर्यहग्रहण।
8) पृथ्वी के प्रमुख परिमण्डल–स्थलमंडल, वायुमण्डल, जलमंडल, जीवमण्डल।
9) स्थल मंडल–पृथ्वी की आंतरिक संरचना, शैली के प्रकार।
10) धरातल के रूप बदलने वाले कारक–आंतरिक, पटलविरूपणी बल, आकस्मिक बल, (वलितपर्वत, ज्वालामुखी पर्वत, भूकम्प, प्रकार एवं प्रभावित क्षेत्र)।
11) बाह्यबल अनाच्छादन–अपक्षय, अपरदन एवं इनसे बनने वाली भू–आकृतियां।
12) वायुमण्डल–संघटन एवं सरंचना, तापमान, वायुदाब, वायुदाबपेटियाँ , वायुमंडल की आर्द्रता।
13) पवन के प्रकार–स्थायी एवं अस्थायी (व्यापारिक, पछुआ, ध्रुवीय और मानसूनी), चक्रवात एवं प्रति चक्रवात।
14) जलमण्डल–समुद्र व उसकी गतियां–समुद्री धारायें तथा उनका तटवर्ती क्षेत्रों का प्रभाव, ज्वार–भाटा।

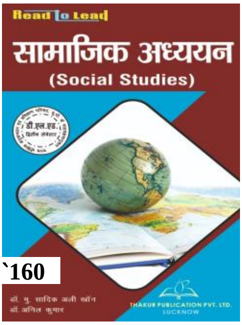

15) हमारा संविधान–
    i) संविधान किसे कहते है?
    ii) संविधान के गठन की भूमिका।
    iii) संविधान का गठन।
    iv) संविधान की प्रस्तावना एवं विशेषताएँ।
16) नागरिकता
17) मौलिक आधिकार, मौलिक कर्त्तव्य
18) नीति निदेशक तत्त्व
19) उपभोक्ता जागरूकता–उपभोक्ता शोषण के प्रकार, उपभोक्ताओं के अधिकार और कर्त्तव्य, उपभोक्ता सुरक्षा के उपाय।
20) भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि का योगदान–भारतीय कृषि की प्रमुख विशेषताएं व महत्त्व, भारतीय कृषि में उत्पादकता, हरित क्रान्ति व इसका प्रभाव, आर्थिक विकास, कृषि विकास हेतु सरकार द्वारा अपनाए गये उपाय–भारतीय कृषिनीति।
21) **मुद्रा**–मुद्रा का अर्थ एवं प्रकार, साख मुद्रा, चेक, बैंक ड्राफ्ट, प्रतिज्ञा पत्र, हुण्डी, ग्रेशम का नियम, मुद्रा स्फीति, मुद्रा अपस्फीति, मुद्रा संकुचन, मुद्रा का अवमूल्यन–अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपये का मूल्य, भारत की मौद्रिक नीति।
22) भारत का औद्योगिक विकास, प्रमुख उद्योग–लघु उद्योग, कुटीर उद्योग, भारत की नई औद्योगिक नीति, बहुराष्ट्रीय कम्पनियां।

प्रयोगाात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

प्रशिक्षु शिक्षकों को सामाजिक अध्ययन के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, संकल्पना को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, Game, Video Clip, Audio Clip, Experiment तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किए जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं–

1) अशोक के प्रमुख स्तम्भ लेख, शिलालेख केन्द्रों को मानचित्र/मॉडल के माध्यम से प्रदर्शित करना।
2) वायुदाब पेटियाँ, समुद्री धाराओं को मानचित्र/मॉडल के माध्यम से प्रदर्शित करना।
3) अशोक की कलिंग विजय, महमूद गजनवी के आक्रमण, बहमनी व विजय नगर स्राम्राज्य को मानचित्र/मॉडल के माध्यम से प्रर्दिशत करना।
4) मूल अधिकारों पर सचित्र चार्ट तैयार करें।
5) खाद्य सामग्री में मिलावट व घटतोली पर कहानी, लेख, मॉडल, वीडियो क्लिप तैयार करें।
6) प्रमुख देशों की मुद्राओं की तुलना में भारतीय रुपये का मूल्य अंकित करते हुए चार्ट तैयार करें।
7) अपने शहर के किसी ऐतिहासिक इमारत का भ्रमण कर उस पर एक प्रोजेक्ट तैयार करें।

8) भक्ति आंदोलन के सुधारकों पर एक फोटो एलबम बनाएं।
9) वर्तमान सार्वजनिक वितरण प्रणाली अलाउद्दीन खिलजी की व्यवस्था से कितना मेल खाती है? रिर्पोट तैयार कीजिए।
10) चन्द्र कलाएं, चन्द्रग्रहण एवं सूर्यग्रहण पर मॉडल।
11) निम्न बिन्दुओं का प्रकाश डालते हुए उपभोक्ता जागरूकता पर एक रिर्पोट तैयार करें–
    i) झूठे व भ्रामक विज्ञापन से उपभोक्ता का शोषण
    ii) उपभोक्ता फोरम
12) किन्ही दस वस्तुओं के 10 वर्ष पूर्व वर्तमान में हुए मूल्य परिवर्तन पर पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन तैयार करें।
13) विभिन्न बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की सूची बनाकर उसके उद्गम स्थान व उनके द्वारा उत्पादित होने वाली वस्तुओं पर एक प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करें।

<u>सन्दर्भित पुस्तक</u>– सामाजिक अध्ययन; लेखक– डॉ. मोहम्मद सादिक अली खान, डॉ. अनिल कुमार; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य–**160**/–

(सेमेस्टर–2) हिन्दी

1) कहानी, लोककथा, रोचक प्रसंगों को ध्यानपूर्वक सुनना व याद करना।
2) परिवेशीय विषयों, सामाजिक घटनाओं, स्व अनुभवों पर चर्चा।
3) गद्य व पद्य के अंशों को शुद्ध उच्चारण, लय एवं उतार–चढ़ाव के साथ पढ़ना, बोलना।
4) स्वतंत्र(मौखिक एवं लिखित) अभिव्यक्ति।
5) स्तरानुसार गद्य–पद्य में शब्दों, वाक्यांशों, विराम चिन्हों एवं समान ध्वनियों को समझना।
6) उपसर्ग, प्रत्यय, सामासिक पदों की पहचान व प्रयोग।
7) संज्ञा, सर्वमान, क्रिया विश्लेषण, वचन, लिगं तथा काल को पहचानना।
8) पाठ्यवस्तु का मौन वाचन करते हुए उसमें निहित विचारो, भावों एवं तथ्यों को समझना।
9) शिक्षक के निर्देशानुसार छोटे–छोटे वाक्य लिखना।
10) औपचारिक अनौपचारिक पत्र लिखना।
11) परिचित विषयों पर मौलिक रूप से लिखना।

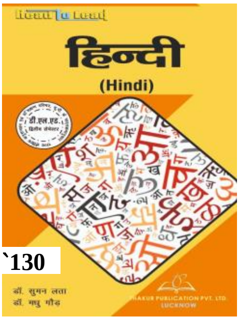

प्रयोगाात्मक कार्य/सत्रीय/प्रोजेक्ट कार्य/मॉडल

प्रशिक्षु शिक्षकों को हिन्दी के प्रत्येक पाठ में अन्तर्निहित ज्ञान, जानकारी एवं घटनाओं के अन्तः सम्बन्धों को बच्चों तक पहुँचाने के लिए प्रोजेक्ट, मॉडल, खेल, गतिविधि, दृश्य–(वीडियो/आडियो), समाग्री, प्रयोग तैयार करने का कार्य दिया जायेगा। तैयार किये जा सकने वाले मॉडल/प्रोजेक्ट की सांकेतिक सूची सहायतार्थ निम्नवत् है। शिक्षकगण अन्य विषयों पर भी मॉडल/प्रोजेक्ट का निर्धारण कर सकते हैं–

1) कहानी, लोककथा के संग्रह तैयार करना।
2) उपसर्ग, प्रत्यय, सामसिक के विभेद हेतु चार्ट/मॉडल बनाना।
3) संज्ञा, सर्वमान, क्रिया विशेषण, वचन, लिंग को चार्ट/मॉडल के माध्यम से प्रस्तुत करना।
4) विभिन्न शब्दो के विभिन्न रूपों (संज्ञा, सर्वनाम......) को चार्ट के माध्यम से प्रस्तुत करना।
5) पत्रों के प्रकार एवं उनमें मूलभूत अन्तर को चार्ट/मॉडल के माध्यम से स्पष्ट करना।
6) समाचार–पत्रों, पत्रिकाओं से कक्षा शिक्षण के लिये उपयोगी सामग्री का संकलन तैयार करना।

<u>सन्दर्भित पुस्तक</u>– हिन्दी; लेखक– डॉ. सुमन लता, डॉ. मधु गौड़; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य– 120/–

(सेमेस्टर–2) अंग्रेजी

Objectives

The goal of this course is to build confidence in Trainee-teachers to use the Language freely and develop strategies for young learners based on pedagogic principles.

Trainee-teachers:

- To enable trainee teacher to understand composition, nature and classroom transaction of English language.
- To enable trainee teacher to understand subject content of English language.
- To make trainee teacher able to prepare TLM for teaching various components of content of English.
- To train trainee teacher to present content material in an interesting way and use of ICT.
- To make trainee teacher able to teach the content through various educational softwares/language games/applications.
- To train trainee teacher on CCE of English language learning and pronunciation.

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई.सी.टी. के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

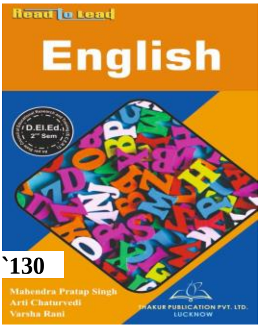

Theoretical Aspects-

1) Different approach and methods of teaching English.
2) Bilingual approach.
3) Dr. West's new Method.
4) Audio-video method.
5) Language games.

Classroom Teaching: Content

1) English in our daily lives:
    i) Some general Greetings
    ii) Introducing English alphabet with relevant names of animals, birds, flowers, fruits vegetables, plants etc.
    iii) Number name (1-100)
2) Oral practice of simple sentences prescribed for standard. 3, 4 and5.
3) Recitation of Nursery rhymes and poem with a rhythm and intonations.
4) Writing practices:
    i) Penmanship (hand writing) ii) Words (spelling)
5) Grammar
    i) **Sentences:** Kinds and parts of a sentence
    ii) Punctuation
    iii) Determiners of Noun : Article
6) Conversational
    i) Classroom instructions
    ii) Self-Introduction
7) **Pronunciation:** practice of reading Simple sentences using correct Phonemes, Syllable, and stress (from text books of Standard 3, 4 and 5).

Content specifications

1) Viva-voce
    i) Self-introduction
    ii) Description (of a give Picture/Landscape)
    iii) Narration
    iv) Extempore story writing on any one of the topics given.
2) Vocabulary of 750 words (prescribed for Std.3-8).
3) **Story Teaching:** Steps of story teaching.
4) Grammar
    i) **Noun:** Kind and Gender.
    ii) Determiners of noun:
        a) Possessives (My, Our, Your, His, Her, Its etc)
        b) Demonstrative (This, That, These, Those)
        c) Distributive (Each, Every, Either, Neither)
        d) Determiners of number/quantity(few, some, much)
    iii) Pronoun
    iv) Adjective and degree of comparisons.
    v) **Verb:** Use of Verb in present, past and future.
5) **Sentences :** Transformation of sentences
    i) Affirmative to negative sentence
    ii) Assertive to interrogative sentences
6) Active/passive voice
7) Common errors in
    i) Noun and number
    ii) Articles
    iii) Verb
    iv) Spellings
    v) Adjective degrees
    vi) Punctuation
8) Pronunciation
    i) Perception and production of sounds: vowels, consonants.
    ii) Speaking some words where the letters are silent (**e.g.,** Walk, Straight, Talk, Calm).
    iii) Reading aloud paragraphs, dialogues and poem with intonations and modulation.
9) **Lesson Plan:** Importance of lesson plan, characteristic of a good Lesson plan and preparation of Lesson Plan.

Project/Sessional Work

1) Collection of small stories (at least 4).
2) Collection of jokes and riddles
3) Action-research: Take one situation and prepare a story and then discuss about the grammar details of English Language incorporated into it and any one of the burning topics/problems.
4) Preparation of TLM
5) **Prepare Picture Chart on:** Noun/Pronoun/verb/Adjectives/Article and other Determiners of Noun.
6) Look at the picture and the complete sentences using correct from of Noun, Verb and Article etc.
7) Prepare flow chart of sound symbols.
8) Framing of questions according to a given situation.
9) Collection of poems (atleast 4) with their rhythm and intonation

10) Preparation of TLM

i) Prepare flash cards on any of the following topics-

a) Alphabet b) Number names

c) Birds d) Animals

e) Flowers f) People with different occupations

ii) Prepare audio TLM (DVD, etc.); for e.g., Animal sounds along with their description in simple sentences incorporating; animal cries, name, their homes and babies. **Examples:** Roar-Lion-Den-cub

a) Prepare picture Crosswords on- b) Animals

c) Flowers d) Birds

e) People with different occupations f) Different Fruits

iii) Review and critical analysis of the text books of std. 3-6.

<u>**सन्दर्भित पुस्तक**</u>**– अंग्रजी**; लेखक– महेन्द्र प्रताप सिंह, आरती चतुर्वेदी; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य– 130/–

(सेमेस्टर–2) समाजोपयोगी उत्पादक कार्य

नोट–समाजोपयोगी उत्पादक कार्य के अन्तर्गत 'ए' गृहशिल्प एवं 'बी' कृषि व अद्यान विज्ञान' की विषय सामग्री दी गयी है। प्रशिक्षु स्वेच्दा से अपनी सुविधानुसार किसी एक ग्रुप का चयन कर सकते हैं।

प्रशिक्षण प्रक्रिया/विधियाँ

प्रशिक्षुओं के मध्य विषयवस्तु को अधिकतर प्रयोग की जा सकने वाली शिक्षण विधियों के माध्यम से रखने का प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण शैक्षिक गतिविधियों पर आधारित हो। प्रशिक्षण के समय सीखने एवं सिखाने की प्रक्रिया में प्रशिक्षुओं को सहभागी बनाया जाए। साथ ही, उन्हें अपने शिक्षण में बच्चों का सहयोग एवं उनकी सहभागिता सुनिश्चित करनी है, यह बताया जाए। यथासम्भव आई.सी.टी. के माध्यम से विषयवस्तु को प्रस्तुत करने का भी प्रयास किया जाए। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षु का निर्धारित प्रारूप पर सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन किया जाए, जिससे कि वह इस प्रक्रिया से परिचित हो जाए तथा इसकी प्रयोग–विधि सीख सकें।

कक्षा–शिक्षण: विषयवस्तु

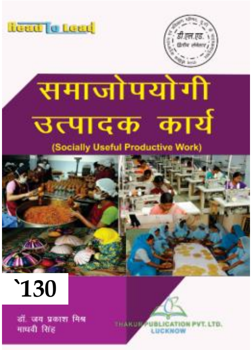

1) गृह शिल्प का अर्थ, आवश्यकता, महत्त्व तथा क्षेत्र।
2) विभिन्न प्रकार का कपड़ा व ऊन खरीदते समय ध्यान देने योग्य बातें।
3) पाक कला करते समय ध्यान देने योग्य बातें एवं उनकी सावधानियां।
4) भोजन परोसते समय ध्यान देने योग्य बातें तथा भोजन परोसना एक कला।
5) सिलाई के प्रमुख टाकों का ज्ञान तथा कपड़ो पर उनका प्रयोग।
6) सिलाई उपकरण एवं उनका उचित प्रयोग।
7) सिलाई एवं कढाई में अन्तर।
8) बुनाई करते समय ध्यान देने योग्य बातें।
9) विभिन्न प्रकार के वस्त्रों की धुलाई, सफाई, प्रेस सम्बन्धित ज्ञान।
10) गृह प्रबन्ध से संबंधित ज्ञान।
11) मिट्टी की पहचान, वर्गीकरण, कटाव, कटाव की रोकथाम।
12) खाद तथा उर्वरकों का महत्त्व, तुलनात्मक अध्ययन, खाद तथा उर्वरकों का फसलों में प्रयोग।
13) विभिन्न प्रकार की खादों यथा–गोबर की खाद, कम्पोस्ट व हरी खाद तथा जैविक खाद की तैयारी व प्रयोग।

14) नाइट्रोजन, फास्फोरस व पोटाश उर्वरकों का अध्ययन व फसलों में प्रयोग।
15) सिंचाई के लिए नालियाँ बनाना, अधिक व कम सिंचाई से होने वाली हानियाँ।
16) जुताई के यंत्र यथा–देशी, मेस्टन व केयर हल आदि का तुलनात्मक अध्ययन।
17) उद्यान सम्बन्धी यंत्र यथा–हैडहो, सिकेटियर, कलम, पैंबद व चाकू का उपयोग।
18) उद्यान विज्ञान एवं उका महत्त्व, भोजन में फल तथा सब्जियों की उपयोगिता।
19) कृषि व उद्यान विषय का मूल्यांकन।

'ए'– गृहशिल्प

1) गृहशिल्प विषय का अर्थ, आवश्यकता, महत्त्व व क्षेत्र।
2) भोजन की आवश्यकता, पौष्टिक तत्व तथा उसकी प्राप्ति के स्त्रोत तथा इनकी कमी से होने वाले रोग।
3) **संतुलित आहार**–कुपोषण, कारण एवं निवारण।
4) **पाक कला**–भोजन बनाते एवं परोसते समय ध्यान देने योग्य बातें व सावधानियाँ।
5) गर्भवती स्त्री एवं नवजात शिशु की देखभाल, टीकाकरण।
6) सिलाई एवं बुनाई करते समय ध्यान देने योग्य बातें।
7) विभिन्न प्रकार के कपड़े व ऊन खरीदतें समय ध्यान देने योग्य बातें।
8) सिलाई के प्रमुख उपकरण एवं प्रमुख टाँकों का ज्ञान तथा कपड़ों पर उनका प्रयोग।
9) विभिन्न प्रकार के वस्त्रों की धुलाई, प्रेस एवं रख–रखाव से सम्बन्धित ज्ञान।
10) अनुपयोगी वस्तुओं से उपयोगी एवं कलात्मक वस्तुएँ बनाना।

'बी'– कृषि

1) मिट्टी की पहचान, वर्गीकरण, कटाव, कटाव की रोकथाम।
2) खाद तथा उर्वरकों का महत्त्व, तुलनात्मक अध्ययन, खाद तथा उपर्वरकों का फसलों में प्रयोग।
3) **विभिन्न प्रकार की खादों**–गोबर की खाद, कम्पोस्ट व हरी खाद तथा जैविक खाद की तैयारी।
4) नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटाश उर्वरकों का अध्ययन व फसलों में प्रयोग।
5) विभिन्न प्रकार के कीटनाशकों की जानकारी एवं प्रयोग।
6) सिंचाई के लिए नालियाँ बनाना, अधिक व कम सिंचाई से होने वाली हानियाँ।
7) **जुताई के यन्त्र यथा**–देशी, मेस्टन व केयर हल आदि का तुलनात्मक अध्ययन।
8) उद्यान विज्ञान एवंव उसका महत्त्व, भोजन में फल तथा सब्जियों की उपयोगिता।
9) कृषि व उद्यान विषय का मूल्यांकन।

<u>सन्दर्भित पुस्तक</u>– **समाजोपयोगी उत्पादक कार्य**; लेखक– डॉ. जय प्रकाश मिश्र, माधवी सिंह; ठाकुर पब्लिकेशन प्रा. लि., लखनऊ। मूल्य–130/–

शिक्षक पात्रता परीक्षा
UPTET
प्राथमिक स्तर (कक्षा 1–5)
एन.सी.टी.ई. द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित
ऑल–इन–वन (All-in-One)
☑ बाल विकास एवं शिक्षण विधियाँ
☑ हिन्दी (प्रथम भाषा)
☑ अंग्रेजी एवं संस्कृत (द्वितीय भाषा)
☑ गणित
☑ पर्यावरणीय अध्ययन
4000+ MCQs
8 वर्षीय हल प्रश्न पत्र
3 प्रैक्टिस सेट
व्याख्या सहित बहुविकल्पीय प्रश्न
प्रत्येक मॉडल प्रश्न पत्र हेतु OMR Sheet संलग्न
MRP: ₹400

शिक्षक पात्रता परीक्षा
UPTET
उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6–8)
एन.सी.टी.ई. द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पर आधारित
ऑल–इन–वन (All-in-One)
4000+ MCQs
कला वर्ग/विज्ञान वर्ग
☑ बाल विकास एवं शिक्षण विधियाँ
☑ भाषा-I (हिन्दी)
☑ भाषा-II (अंग्रेजी/संस्कृत)
☑ सामाजिक अध्ययन (कला वर्ग)
☑ गणित/विज्ञान (विज्ञान वर्ग)
MRP: ₹400
8 वर्षीय हल प्रश्न पत्र
3 प्रैक्टिस सेट
व्याख्या सहित बहुविकल्पीय प्रश्न
प्रत्येक मॉडल प्रश्न पत्र हेतु OMR Sheet संलग्न

उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6–8) पुस्तकें
UPTET
बाल विकास एवं शिक्षण विधियाँ
हिन्दी
English
संस्कृत
गणित एवं विज्ञान
सामाजिक अध्ययन एवं अन्य
प्राथमिक स्तर (कक्षा 1–5) एवं
उच्च प्राथमिक स्तर (कक्षा 6–8) ऑल–इन–वन (All-in-One)
UPTET
7500+ MCQs
₹500
₹520
विज्ञान वर्ग
गणित एवं विज्ञान
7250+ MCQs
कला वर्ग
सामाजिक विज्ञान
प्राथमिक स्तर (कक्षा 1–5) पुस्तकें
UPTET
बाल विकास एवं शिक्षण विधियाँ
₹120
हिन्दी
₹100
English
₹110
संस्कृत
₹85
गणित
₹135
पर्यावरणीय अध्ययन
₹100

डी.एल.एड. प्रथम सेमेस्टर पुस्तक

ISBN	पुस्तक का नाम	मूल्य
978-93-5755-699-6	बाल विकास एवं सीखने की प्रक्रिया	190
978-93-5755-943-0	शिक्षण अधिगम के सिद्धान्त	170
978-93-5755-958-4	विज्ञान	160
978-93-5755-915-7	गणित	160
978-93-5755-431-2	सामाजिक अध्ययन	200
978-93-5755-808-2	हिन्दी	105
978-93-5755-819-8	कम्प्यूटर शिक्षा	155
978-93-5755-985-0	संस्कृत	120
	Total	**1260**

डी.एल.एड. द्वितीय सेमेस्टर पुस्तक

ISBN	पुस्तक का नाम	मूल्य
978-93-87880-17-7	वर्तमान भारतीय समाज एवं प्रारम्भिक शिक्षा	215
978-93-87880-18-4	प्रारम्भिक शिक्षा के नवीन प्रयास	135
978-93-87880-19-1	विज्ञान	210
978-93-87880-20-7	गणित	120
978-93-87880-21-4	सामाजिक अध्यनन	160
978-93-87880-22-1	हिन्दी	130
978-93-87880-23-8	English	130
978-93-87880-42-9	समाजोपयोगी उत्पादक कार्य	130
	Total	**1120**

डी.एल.एड. तृतीय सेमेस्टर पुस्तक

ISBN	पुस्तक का नाम	मूल्य
978-93-87483-15-6	शैक्षिक मूल्यांकन, क्रियात्मक शोध एवं नवाचार	190
978-93-87483-14-9	समावेशी शिक्षा	120
978-93-88280-44-0	विज्ञान	170
978-93-87483-26-2	गणित	160
978-93-87483-25-5	सामाजिक अध्ययन	180
978-93-87483-23-1	हिन्दी	120
978-93-87483-22-4	कम्प्यूटर शिक्षा	160
978-93-88280-45-7	संस्कृत	200
	Total	**1300**

डी.एल.एड. चतुर्थ सेमेस्टर पुस्तक

ISBN	पुस्तक का नाम	मूल्य
978-93-88809-62-7	आरंभिक स्तर पर भाषा के पठन लेखन एवं गणितीय क्षमता का विकास	140
978-93-88800-63-4	शैक्षिक प्रबंधन एवं प्रशासन	200
978-93-88809-65-8	विज्ञानं	140
978-93-88809-66-5	गणित	160
978-93-88809-68-9	सामाजिक अध्ययन	200
978-93-88809-64-1	हिंदी	115
978-93-88809-67-2	अंग्रेजी	130
978.93.88809.69.6	शांति शिक्षा एवं सतत विकास	165
	Total	**`1250**